दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 280/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 31 मई 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सारा ने लगाया महाकाल का ध्यान

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान बुधवार सुबह उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचीं। तड़के भस्म आरती में शामिल हुईं। नंदी हॉल में आधे घंटे तक शिव जाप करते हुए ध्यान लगाकर बैठी रहीं।

सांध्यप्रकाश विशेष

महिला पत्रकार के सवाल पर भागने क्यों लगीं मीनाक्षी लेखी

नई दिल्ली। मंगलवार को पहलवान अपने मेडल गंगा में बहाने हरिद्वार पहुंच गए थे। उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर रोक लिया गया। इधर दिल्ली में भी माहौल गर्म था। जंतर-मंतर से पहलवानों को जबरन हटाने के बाद सरकार घिर गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी

मामले की गूंज सुनाई दी। विदेश मामलों और संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी को पत्रकारों ने घेर लिया। आम आदमी पार्टी ने इस वाकये का वीडियो शेयर किया है। लेखी से एक महिला पत्रकार ने पहलवानों को लेकर सवाल पूछा। लेखी से पूछा गया कि आप महिला सांसद हैं, इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? प्रधानमंत्री क्यों चुप हैं? वीडियो में दिखता है कि लेखी वहां से निकल रही होती हैं, सवाल सुनकर उनके कदमों की रफ्तार खासी तेज हो जाती है। अपने स्टाफ से कहती हैं- चलो... चलो... इसके बाद लेखी कहती हैं कि कानून के तहत प्रक्रिया चल रही है। चुप्पी पर सवाल होता है तो लेखी अपनी कार में सवार होती हैं और दरवाजा बंद कर लेती हैं।

सवालों से बचकर भागतीं केंद्रीय मंत्री का यह वीडियो खूब शेयर हो रहा है। आप ने इसे मेन ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया। कैप्शन में लिखा, पहलवानों से जुड़े सवाल को सुनकर सरपट भागी बेशर्म मंत्री मीनाक्षी लेखी। कांग्रेस ने भी वीडियो ट्वीट कर तंज कसते हुए कहा कि महिला पहलवानों के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने दी तीखी प्रतिक्रिया। वीडियो पर कई ट्विटर यूजर्स ने मजाकिया लहजे में कहा कि अगला मेडल तो लेखी को ही मिलना चाहिए। लेखी से जब यह सवाल हुआ, तब वह हज यात्रा से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल हो रही थीं।

जानापाव की पहाड़ी पर भी पहुँचेगा नर्मदा का जल, रोपवे भी लगेगा

इन्दौर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज पावन स्थली जानापाव में भगवान परशुराम लोक के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। उन्होंने भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव की पहाड़ी तक नर्मदा जल लाने तथा रोपवे लगाने के प्रयास प्रारंभ करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जानापाव में 10 करोड़ 32 लाख रुपये की लागत से परशुराम लोक का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह तीर्थस्थल सर्व सुविधाओं से युक्त बनाया जायेगा। इससे हर श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिलेगा। इस मौके पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद बी.डी. शर्मा, युवा आयोग के अध्यक्ष डॉ निशांत खरे, सांसद सुश्री कविता पाटीदार तथा छतर सिंह दरबार, महंत श्री भालेश्वर महाराज और श्री योगेश्वर सहित अन्य साधु-संत, जनप्रतिनिधिगण विशेष रुप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने भगवान परशुराम की जन्मस्थली तथा अनेक नदियों के उद्गम स्थली जानापाव पहुंचकर भगवान परशुराम के नवनिर्मित मंदिर में पूजन अर्चन किया और पवित्र जल कुण्ड के दर्शन किये। उन्होंने कहा कि पिछले अप्रैल माह में जब वे यहां आए थे तो यहाँ पर

परशुराम लोक बनाए जाने की घोषणा की थी। लगभग एक माह की अवधि में प्रदेश की सरकार ने इस परशुराम लोक बनाये जाने की घोषणा पर अमल प्रारंभ कर दिया। विभिन्न निर्माण कार्यों के लिये स्वीकृति देकर आज भूमिपूजन भी किया गया है।

गोपाल भार्गव ने बंगले पर की सौ मरीजों के ठहरने की व्यवस्था

हितेश वाजपेयी का ट्वीट- आदरणीय श्री गोपाल भार्गव जी से कल बहुत समय बाद लम्बी मुलाक़ात हुई ! उनके भोपाल के बंगले पर वो तो एक हिस्से में रहते ही हैं वहीँ उसी घर पर 100 मरीजों के लिए बढ़िया ठहरने की व्यवस्था उन्होंने कर रखी है जो भोपाल जैसे मन्हंगे शहर में अपने इलाज के लिए आते हैं !

भोजनशाला में उनके लिए उस समय भोजन तैयार हो रहा था मूंग की दाल, फुल्के और भिन्डी की सब्जी ! फिर दर्शन उस अन्त्योदय के हकदारों के हुए जिनके आशीर्वाद से गोपाल जी का सार्वजनिक जीवन अजेय हुआ। उन ग्रामीणों की वो उम्मीद से भरीं कृतग्य आँखे जैसे लाखों मौन आशीर्वाद गोपाल जी को देते हुए महसूस कर रहा था मैं।

उनके इस रूप को देखकर मुझे गर्व हुआ कि मैं उस पार्टी का सदस्य हूँ जिसके नेता गोपाल भार्गव जी जैसे हैं। हमारे जैसे राजनैतिक कार्यकर्ताओं के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है जो राजनैतिक क्षेत्र के उद्देश्य को समझाता है और उसकी सार्थकता के दर्शन कराता है !

दीपू भाई भाग्यशाली हैं जो उन्हें ऐसे पिता का सानिध्य मिला और उनकी इस नेकी का फल उन्हें हमेशा मिलता रहेगा ! इश्वर माननीय गोपाल जी को इसी प्रकार दरिद्र नारायण जी की सेवा के लिए समर्थ और सक्षम बनाए रखे जिसकी कल्पना आज ऐसे लाखों लोगों को शिवराज सिंह चौहान और गोपाल भार्गव जी की मदद से जो इलाज की आधुनिक सुविधाएं निशुल्क मिल रही हैं वही भाजपा भारत और नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व का असली परिचय है !

कई आईएएस अधिकारियों की विदेशों में पदस्थापना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आज प्रशासनिक फेरबदल करते हुए उपसचिव और संयुक्त सचिव और संचालक स्तर के अधिकारियों की विदेशों में पदस्थापना की है । इनमें कई आईएएस अधिकारी भी शामिल हैं। डॉक्टर जूजावरापू बालाजी भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2001 बैच के अधिकारी को रोम इटली में कृषि मंत्री एंबेसी ऑफ इंडिया के रूप में पदस्थ किया गया है। 3 वर्ष के लिए की अवधि के इस पद में वह संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

भारतीय प्रशासनिक सेवा की 2001 बैच के अधिकारी निधि मणि त्रिपाठी को यूनाइटेड किंगडम लंदन में हाई कमीशन ऑफ इंडिया में डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स में 3 साल के लिए पदस्थ किया गया है। उनका पद भी संयुक्त सचिव स्तर का रहेगा।

2000 बैच के केरला कैडर के अधिकारी आनंद सिंह को इंटरनेशनल मोनेटरी फंड वॉशिंगटन डीसी यूएसए में सीनियर एडवाइजर के पद पर पदस्थ किया गया है। इनकी पदस्थापना भी 3 साल के लिए की गई है। 2000 बैच के कर्नाटक कैडर के अधिकारी पुन्नूराज वी को फिलिपींस मनिला में एशियन डेवलपमेंट बैंक में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के एडवाइजर के पद पर 3 साल के लिए पदस्थ किया गया है। 2002 बैच के उड़ीसा कैडर के आईएएस अधिकारी देबजानी चक्रवर्ती को जापान टोक्यो में एंबेसी ऑफ इंडिया में 3 साल के लिए पदस्थ किया गया है। उनकी पदस्थापना भी संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी की रहेगी। 2010 की आईएएस अधिकारी निधि श्रीवास्तव को वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन परमानेंट मिशन ऑफ इंडिया के फर्स्ट सेक्रेटरी के पद पर 3 साल के लिए पदस्थ किया गया है। वे कॉमर्स विभाग के अंतर्गत कार्य करेंगी। 2011 बैच के आईईएस अधिकारी विवेक चौधरी को वॉशिंगटन डीसी यूएसए में एंबेसी आफ इंडिया में पदस्थ किया गया है। 2000 बैच के आईटीएस अधिकारी भावेश त्रिवेदी को नेपाल काठमांडू में सार्क सचिवालय में डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। मिनिस्ट्री आफ एक्सटर्नल अफेयर्स के लिए उनका कार्यकाल 3 साल के लिए रहेगा।

निगम कमिश्नर ने पार्षद पतियों को बैठक से बाहर किया

इंदौर। नगर निगम कमिश्नर हर्षिका सिंह ने कांग्रेस की महिला पार्षदों के पतियों को बैठक से बाहर कर दिया। कांग्रेस पार्षद दल के साथ हुई इस बैठक में निगम कमिश्नर हर्षिका सिंह ने स्पष्ट किया कि चुनी हुई महिला पार्षद सक्षम जनप्रतिनिधि है, बैठक में वे ही अपनी बात रखें। बीजेपी हो या कांग्रेस, मैंने कई बार देखा है कि बैठकों में पार्षद के

अलावा तमाम लोग आ जाते हैं। आयुक्त के तीखे तेवर देखकर बैठक से मौजूद पार्षद पति निकल गए।

निगम कमिश्नर हर्षिका सिंह ने कांग्रेस पार्षदों की बैठक में से पार्षद पतियों को बाहर करके एक नई व्यवस्था शुरू की। विकास कार्यों की बैठक और वर्क आर्डर के लिए सभी कांग्रेस पार्षदों ने निगम कमिश्नर के साथ बैठक में भाग लिया। लेकिन, कांग्रेस पार्षदों की जगह उनके पति बैठक में पहुंच गए और अपने वार्ड की समस्याएं बताने लगे। इस पर निगम कमिश्नर ने पूछा कि आप कौन हैं? तो कांग्रेस की महिला पार्षद के पति रफीक खान ने कहा कि पार्षद पति हूं। इस पर निगम कमिश्नर ने पूछा कि पार्षद कहां है? रफीक खान ने कहा घर पर हैं ! इस पर कमीश्नर ने कहा कि उनको ले आएंगे। आपने कहा इसलिए अगली बार उनके साथ आएंगे। कमिश्नर ने अंसार अनवर दस्तक और सादिक खान को भी बाहर कर दिया। क्योंकि, ये भी अपनी पत्नियों की जगह बैठक में आए थे।

भोपाल के गौरव की खातिर दौड़े भोपालवासी मुख्यमंत्री शिवराज ने दिखाई हरी झंडी

भोपाल। भोपाल विलीनीकरण दिवस 1 जून को इस बार गौरव दिवस के तौर पर महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर शहर में 31 मई से एक जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। फूड फेस्टिवल, सांस्कृतिक प्रस्तुति, वाटर स्पोर्ट आदि के माध्यम से दो दिन तक शहर में जश्न का माहौल रहेगा।

आज गौरव दिवस कार्यक्रमों की शुरुआत वीआइपी रोड से वोट क्लब तक गौरव दौड़ से हुई। इस आयोजन में 15 हजार भोपालवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह 6 बजे से पहले ही हजारों लोग वीआइपी रोड पर इस दौड़ में सहभागिता करने के लिए एकत्र हो गए थे। इस दौड़ में छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सुबह करीब 7 बजे वीआईपी रोड पर राजा भोज प्रतिमा स्थल पर पहुंचे एवं शहरवासियों को गौरव दिवस की शुभकामनाएं दीं और हरी झंडी दिखाकर इस दौड़ को रवाना किया।

भोपाल को बनाएं नम्बर वन

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज भोपाल के हजारों नौजवान और नागरिक गौरव दौड़ में गौरव के भाव से और उमंग से हिस्सा ले रहे हैं। भोपाल को स्वच्छतम राजधानी का दर्जा मिल चुका है। अब भोपाल को भारत का स्वच्छतम शहर बनाना है। क्लीन शहर और ग्रीन शहर हो हमारा भोपाल, यह हम सभी का संकल्प होना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे प्रतिदिन तीन पौधे लगाते हैं। पर्यावरण संरक्षण में नागरिकों विशेषकर युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है। भोपाल शहर राजा भोज का शहर है, रानी कमलापति का शहर है और हम सभी का शहर है। सभी मिलकर भोपाल को ग्रीन और क्लीन बनाएं।

इस दौरान प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय और पूर्व महापौर आलोक शर्मा समेत अनेक गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं। इस अवसर पर दौड़ के प्रतिभागियों को भोपाल को स्वच्छता में नंबर वन बनाने, युवाओं को तम्बाकू से दूर रहने के संदेश देंगे तथा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। 3.1 किमी की यह दौड़ वीआईपी रोड पर राजा भोज प्रतिमा स्थल से शुरू होकर रेतघाट, कमला पार्क, किलोल पार्क, भारत भवन से होते हुए बोट क्लब पर संपन्न हुई। इस गौरव दौड़ के दौरान मार्ग में नगर निगम द्वारा जगह-जगह टेबल लगाकर प्रतिभागियों के लिए पेयजल का इंतजाम किया गया था।

इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज ऐसा लग रहा है कि पूरा भोपाल सड़कों पर दौड़ रहा है। आज विशेषकर युवाओं में इसको लेकर उत्साह हैं। आज यह उत्साह बता रहा है कि भोपाल को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाएंगे। 15 अगस्त भोपाल की आजादी का दिन नहीं है बल्कि 1 जून है नवाब ने विलीनीकरण से मना कर दिया था और इसी को लेकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने लड़ाई लड़ी गई थी मैं उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की शहादत को प्रणाम करता हूं। भोपाल स्वच्छ शहर है लेकिन इसमें सरकार के साथ समाज जुटता है तो शहर बनता है। भोपाल को आगे बढ़ाने के लिए लोगों को कोई न कोई संकल्प लेना चाहिए। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि भोपाल गौरव दिवस के आयोजन को लेकर इस दौड़ का आयोजन किया गया था जिसमें युवाओं ने बढ़ - चढ़कर हिस्सा लिया है। इसके अलावा कई अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

- फोटो फिचर पेज 8 पर

आज अजमेर से मिशन 2024 का शंखनाद करेंगे पीएम मोदी

अजमेर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अजमेर पहुंचेंगे। भाजपा सरकार के 9 साल पूरे होने पर पार्टी जनता का समर्थन हासिल करने के लिए कई जनसभाएं कर रही है। इसी कड़ी में आज राजस्थान के अजमेर में पीएम मोदी बड़ी जनसभा कर अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाएंगे। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपनी जमीन मजबूत करने के लिए भाजपा बड़े जनसंपर्क अभियान के साथ मैदान में उतरने जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पुष्कर विधानसभा क्षेत्र के कायड़ विश्राम स्थली में जनसभा को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इस अभियान के तहत पार्टी जनता के बीच सरकार का नौ वर्ष का रिपोर्ट कार्ड भी रखेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किशनगढ़ एयरपोर्ट से पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर पहुंचेंगे। करीब 20 मिनट दर्शन और पूजा करेंगे। इसके बाद कायड़ विश्राम स्थली पर पहुंचेंगे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि पीएम मोदी की इस रैली में 8 लोकसभा और 45 विधानसभा क्षेत्रों के साथ ही प्रदेशभर से 4 लाख लोग जुटेंगे। सभा का मैनेजमेंट कुल 22 व्यवस्थाओं में बंटा है। हर व्यवस्था की कमान अनुभवी नेताओं को सौंपी गई है।

कार पेड़ से टकराई, लगी आग, पति-पत्नी समेत चार लोग जिंदा जले, छह माह पहले हुई थी शादी

हरदा। टिमरनी थाना क्षेत्र में नौसर गांव के नजदीक बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर पेड़ से जा टकराई। पेड़ से टकराते ही कार में आग लग गई, इससे कार में सवार चार लोग जिंदा जल गए। कार में बैठे लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। मृतकों में पति-पत्नी समेत एक ही परिवार के तीन लोग शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार अखिलेश पिता महेश कुशवाहा, राकेश पिता महेश कुशवाहा, शिवानी पति राकेश कुशवाहा, आदर्श पिता गोलू चौधरी सभी ग्राम बरकला चारखेड़ा जिला हरदा के निवासी थे। वे बुधवार की सुबह अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान हादसे के शिकार हो गए। मृतकों की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच थी।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आज आदिवासी विकास परिषद की बैठक हुई, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रभारी जेपी अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

कर्नाटक में बजरंग दल के बाद एमपी कांग्रेस में उठा किस हिंदू संगठन पर पाबंदी का मुद्दा?

वचन पत्र में आया तो मचेगा सियासी बवाल

भोपाल। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं वैसे ही मध्यप्रदेश में चुनावी चकल्लस तेज होती जा रही है। कर्नाटक चुनाव का प्रभाव प्रदेश में कांग्रेस पर कुछ ज्यादा नजर आ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक से प्रभावित होकर एक ऐसा ही चुनावी मुद्दा उठाया है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने मेनीफेस्टो में बजरंग दल पर पाबंदी लगाने की बात शामिल की थी। इसी तरह मध्यप्रदेश के कुछ कांग्रेस नेताओं ने अपने वचन पत्र में भी एक हिंदू संगठन पर बैन लगाने की मांग की है। वचन पत्र समिति के सदस्यों को इस संबंध में पत्र भी लिखा गया है। लेकिन सवाल है कि क्या कांग्रेस अपने वचन पत्र में किसी हिंदूवादी संगठन को बैन की बात शामिल करने का साहस जुटा पाएगी। क्योंकि यदि ऐसा हुआ तो प्रदेश में सियासी भूचाल आ सकता है।

अजय सिंह को सौंपे पत्र में मांग- प्रदेश में सॉफ्ट हिंदुत्व का चोला ओढ़ने वाली कांग्रेस क्या एक साहसी कदम उठा सकती है। ये सवाल कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने ही खड़ा किया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सिद्धार्थ राजावत ने अन्य नेताओं के साथ ये मांग की है कि जिस तरह कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के मेनीफेस्टो में बजरंग दल पर पाबंदी लगाने की बात की गई थी, उसी तरह मध्यप्रदेश में भी हिंदू महासभा को बैन करने का मुद्दा वचन पत्र में शामिल किया जाए। राजावत ने ग्वालियर के प्रभारी और वचन पत्र समिति के सदस्य अजय सिंह को एक पत्र सौंपा है जिसमें ये मांग की गई है।

बीजेपी कैडर बेस पार्टी है यहां किसे कब कौन सा दायित्व दिया जाता है किसी को पता नही होता है: वीडी शर्मा

इंदौर। बीजेपी एक कैडर बेस पार्टी है। जब मुझे अध्यक्ष बनाया गया उस वक्त मुझे नही पता था की मुझे यह दायित्व मिलने वाला है, जब मुझे बनाया गया तो मेने काम शुरू किया भाजपा में किसी को पता नहीं होता है कि कब कौन सा काम दे दिया जाता है। में अपने काम के प्रति प्रतिबद्धित हूं। राहुल गांधी के सवाल पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की जितनी बुद्धि है इतनी बात करेंगे। वह कैसे हैं क्या है यह पूरा देश का बच्चा बच्चा जानता है। राहुल गांधी भारत मां को तोड़ने वाले लोगों के

साथ खड़े रहते है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने प्रेस वार्ता के दौरान कही।

बालाघाट के पीएचई का दबंग ईई सस्पेंड, ईएनसी को दिलवा चुका हैं जान से मारने की धमकी, 60 करोड़ के घोटाले में लिप्त है ईई

भोपाल। बालाघाट में जलजीवन मिशन में करोड़ों का घोटाला सामने आया है। यह घोटाला मिशन की समूह जल प्रदाय योजना में संधारण (मेंटेनेंस) के नाम पर किया गया। घोटाले के मुख्य आरोपी ईई अरुण श्रीवास्तव को सस्पेंड कर दिया गया है। घोटाला साल 2020 से लेकर 2023 के बीच किया गया। इसमें करीब ढाई साल में बिना टेंडर किए करीब 10 करोड़ के काम करवा लिए गए और यह काम करीब 325 श्रमिकों से होना बताया गया।

जांच करने वाले संजय कुमार को चुप रहने की धमकी- वहीं, बालाघाट में 400 सिंगल टेंडरों में हुई घोटाले की जांच भी ईई श्रीवास्तव के खिलाफ चल रही है। इस जांच को करने वाले ईइनसी संजय कुमार अंधमान को प्रकरण में चुप रहने की और जान से मारने की धमकी दी गई है। ईइनसी का आरोप है कि यह धमकी अरुण श्रीवास्तव ने दिलवाई है। इस संबंध में ईइनसी ने विभाग के पीएस को पत्र लिखकर शिकायत की है। मामले में सूत्र बताते हैं कि पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन का व अन्य लोगों का दबाव आया था। घोटाले की जांच विधायक संजय उइके की टेंडर में गड़बड़ी की शिकायत के बाद सरकार ने ईइनसी से रिपोर्ट मांगी थी।

ईइनसी ने पीएस को अपने पत्र में लिखा कि अरुण श्रीवास्तव ने किसी राजनेता से जान से मारने की धमकी दिलवाई और कहा गया कि बालाघाट जिले का कोई भी टेंडर निरस्त नहीं होना चाहिए।ईइनसी ने यह भी आरोप लगाया है कि उन्हें अरुण श्रीवास्तव द्वारा एक पत्रकार ओपी दुबे के माध्यम से भी परेशान करवाया जा रहा है। इसकी कंप्लेंट उन्होंने भोपाल के टीटी नगर थान में की है। तब भी उन्हें कुछ राजनीतिक लोगों ने मामले में चुप रहने की चेतावनी दी और कहा कि ऐसा नहीं होने पर उन्हें जान का खतरा हो सकता है।

कम बिड के टेंडर निरस्त कर ज्यादा में दिए

एक अन्य केस में अरुण श्रीवास्तव ने एक चार करोड़ के टेंडर में दादागुरु कंस्ट्रक्शन की बिड को निरस्त कर दिया। यह बिड चार करोड़ के बेस प्राइस से 10 फीसदी कम यानी 3.60 करोड़ में लगाई गई थी। लेकिन उनके टेंडर को निरस्त कर दिया गया और बाद में यह टेंडर दूसरी कंपनी को 5 फीसदी ज्यादा पर दे दिया गया। इस तरह किए गए 400 सिंगल टेंडरों 10 फीसदी ज्यादा पर दिए गए, जिनमें 60 करोड़ का घोटाला किया गया। इसके अलावा श्रीवास्तव की दूसरी शिकायत भी की गई जिसमें बालाघाट में जल जीवन मिशन के 67 टेंडर स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 12 टेंडरों में ही एक से ज्यादा बिड थीं बाकी 55 सिंगल बिड को स्वीकृति दे दी गई।

साधु वासवानी स्कूल में उत्साह के साथ बाल अभिव्यक्ति शिविर का समापन

शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक : सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग करने के लिये चल रहे बाल अभिव्यक्ति शिविर का समापन संत सिद्ध भाऊ की उपस्थिति में किया गया। इस शिविर में चित्रकला, मेंहदी, खेलकूद, संगीत, नृत्यकला, कुकिंग लड़के-लड़कियों के लिये, इंग्लिश स्पोकन आदि कलाओं का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया और भाग लेने वाले बच्चों एवं प्रशिक्षण देने वाले प्रशिक्षकों को पुरस्कार सम्मान किया गया। संत सिद्ध भाऊ ने शिविर की सराहना करते हुए बताया कि यह शिविर कई वर्षो से लग रहा है और आगे भी यह सफलता पूर्वक लगता रहेगा। इस शिविर में बच्चों ने राईटिंग, मेहंदी, कैलीग्राफी, वेस्ट ऑफ बेस्ट, पेटिंग, स्केचिंग तथा कुकिग बड़े ही लगन से सीखा है, उन्होंने कहा कि मेहंदी एक ऐसा हुनर है जो हमें रोजगार से जोड़ता है। जिन विद्यार्थियों ने शिविर में भाग लिया है वो इन गतिविधियों को नियमित रूप से अभ्यास करते रहेंगे तो सीखी हुई गतिविधियॉ उनके आजीवन काम आएगी। इस शिविर में लगभग 150 विद्यार्थी खेलकूद एवं मार्शल आर्ट का प्रदर्शन कर रहें थे जिसे देखकर भाऊ ने कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए खेल अत्यंत आवश्यक है एवं आत्मनिर्भर होने के लिए मार्शल आर्ट का हुनर लड़कियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर समाजसेवी कर्नल नारायण पारवानी, शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने भी अपने-अपने विचार रखे।

बीडीए आचारपुरा में 375 डुप्लेक्स का निर्माण करेगा

भोपाल । भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा अपनी एयरोसिटी फेस-1 की योजना को और अधिक विस्तृत रुप देने के दृष्टिकोण से 968 मीटर वर्ग फुट के 43 एम.आई.जी.डुप्लेक्स का निर्माण करने जा रहा है। जो 968 मीटर वर्ग फुट पर विकसित होगा इसके साथ ही 61 एम.आई.जी. डुप्लेक्स का भी निर्माण करेगा जो कि 600 मीटर वर्ग फुट आकार के होगे। इसी श्रृंखला में 173 एम.आई.जी. प्रकोष्ट शीघ्र निर्मित करने जा रहा है, जो कि अचारपुरा स्क्वायर पर एयरोसिटी के फन्ट सेन्टर पर स्थित होगे। मंगलवार को भोपाल विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुनील पाण्डे और अनिल अग्रवाल के द्वारा उक्त योजना का जायजा लिया एवं एयरोसीटी चरण-2 के मुबारकपुर स्थित भूस्वामीओ से चर्चा की।

जप्त किये गये 21 क्विंटल मावा के 12 में से 7 नमूने फेल

भोपाल । खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा ग्वालियर से भोपाल लाये गये 21 क्विंटल मावा को जप्त किया गया था तथा गुणवत्ता परीक्षण के लिए 12 नमूने लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया था। कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा सूचित किये जाने पर दो दिनों में प्रयोगशाला द्वारा नमूनों की जांच पूर्ण की गई जिसमें 12 में से 07 नमूने अवमानक होना पाये गये हैं। अवमानक पाये गये नमूनों में मिल्क फेट मानक स्तर से कम होना तथा बी. आर. रीडिंग मिल्क फेट से इतर होना पाया गया है। जांच प्रतिवेदन के अनुसार मावा से मिल्क फेट को निकालने एवं अन्य किसी अन्य वसा के मिलावट की पुष्टि हुई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डी के वर्मा के अनुसार जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद मावा की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने के बाद मानक पाये गये मावा के संबंध में निर्णय लिया जायेगा । साथ ही जिस मावा के नमूने अमानक पाये गये हैं उसकी सम्पूर्ण मात्रा को नष्ट किया जायेगा।

वीरा रस पर कवि सम्मेलन 3 जून को

भोपाल । सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर द्वारा भारत भक्ति न्यास के तत्वाधान में वीर बलिदानीयों को सम्मान देने और नई पीढ़ी को उनके बलिदान के बारे में बताने के उद्देश्य एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें राष्ट्रभक्ति आधारित रचनाओं का दर्शक आनंद ले सकेंगे। कार्यक्रम का आयोजन 3 जून को शाम 7: 30 बजे से रविंद्र भवन के नए सभागार में होगा।

वीर रस के यह कवि होंगे शामिलः राम भदावर, समीक्षा सिंह, शिखा सिंह, अमित शर्मा, कमल आग्नेय, कुशल कुशवाहा, शशिकांत यादव, चंचल चर्चित हास्य कवि समरजी।

निगम आयुक्त ने मालीखेड़ी परियोजना स्थल का किया निरीक्षण

भोपाल। निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मालीखेड़ी परियोजना के प्रचलित कार्यों का निरीक्षण किया तथा प्रचलित एवं प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की।

निगम आयुक्त चौधरी ने मालीखेड़ी परियोजना सीवर लाईन, जलप्रदाय लाईन, ड्रेनेज एवं विद्युत कनेक्शन के शेष रहे कार्यों सहित अन्य कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने एम.आई.जी सिंगलेक्स आवासों के पास खुली भूमि पर भूखण्ड विकसित करने हेतु भूमि का सीमांकन एवं मार्किंग आदि करने तथा योजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संदीप केरकेट्टा, अधीक्षण यंत्री आर.के.सक्सेना सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मालीखेड़ी परियोजना स्थल पर निर्माणाधीन आवासों में किये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया और कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए गति बढ़ाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने निर्माणाधीन आवासों में पेयजल की पाईप लाईन, सीवर लाईन, डेऊनेज सहित अन्य आंतरिक कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

गायत्री शक्ति पीठ के सभी केन्द्रों में गायत्री जयंती गंगा दशहरा पर्व मनाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

गायत्री शक्तिपीठ भोपाल एवं शहर के विभिन्न गायत्री संस्थानों प्रज्ञा पीठ बरखेड़ा,गायत्री चेतना केंद्र कोलार एवं शाखाओं में सुबह 8ः30 बजे से ही 24/5 कुंदीय गायत्री महायज्ञ मां गंगा के आवाहन पूजन के साथ प्रारंभ हुआ लगभग 165 गुरु दीक्षा , 12 पुंसवन संस्कार 5 नामकरण सुबह के क्रम में हुआ और गुरु दीक्षा का क्रम दिन भर रहेगा शाम को दीप महायज्ञ के साथ भी बड़ी संख्या में युवा वर्ग को गुरु दीक्षा जोड़ेंगे। इस अवसर पर शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि मध्य जोन समन्वयक राजेश पटेल ने गायत्री जयंती एवं दशहरे पर्व का संदेश दिया। गायत्री परिवार के

यूनिसेफ के बैनर तले आठ दिवसीय नुक्कड़ नाटक कार्यशाला का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। पर्यावरण को बचाने, स्वच्छता को सुनिश्चित करने एवं मासिक धर्म पर भ्रांतियां दूर करने के उद्देश्य से संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट में यूनिसेफ के बैनर तले 23 मई से 31 मई तक आठ दिवसीय नुक्कड़ नाटक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यूनिसेफ के इस प्रयास में प्रबंध संस्थान की विशेष भागीदारी है। कार्यशाला में संस्थान के 9 क्लब की 100 से भी ज्यादा छात्राएं हिस्सा ले रही हैं। कार्यशाला की समन्वयक प्रो. शालू पांडे ने बताया कि इस कार्यशाला में भोपाल के वरिष्ठ रंगकर्मी एवं निदेशक असीम दुबे एवं दूरदर्शन में कार्यक्रम समन्वयक मोहन द्विवेदी छात्राओं को अभिनय एवं नुक्कड़ नाटकों के प्रस्तुतिकरण पर प्रशिक्षण दे रहे हैं। नुक्कड़ नाटक की बारीकियों पर ध्यान देकर बताया जा रहा है कि कैसे नुक्कड़ नाटक सामाजिक बदलाव के लिए सर्वश्रेष्ठ माध्यम है।

वरिष्ठ रंगकर्मियों के मार्गदर्शन में पर्यावरण प्रदूषण, ई-वेस्ट एवं मासिक धर्म स्वच्छता विषयों पर छात्राएं विभिन्न नुक्कड़ नाटक तैयार कर रही हैं, जिनमें उनका उत्साह देखते ही बनता है। इन नुक्कड़ नाटकों को पर्यावरण दिवस 5 जून को भोपाल के चयनित स्थानों एवं आस-पास के गाँवो में छात्राएं मंचन करेंगी।

भोपाल। भाजपा नेता हेमंत बौराना का जन्मदिन दीपेन्द्र श्रीवास्तव एवं हेमंत बौराना मित्र मंडली द्वारा धूमधाम से मनाया गया।

रेडक्रॉस के साथ जुड़ी सेवा भारती की सेवाएं

राजगढ़ कलेक्टर के साथ रेडक्रास राज्य शाखा के जनरल सेक्रेटरी त्रिपाठी ने की बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय रेडक्रास राज्य शाखा के जनरल सेक्रेटरी प्रदीप त्रिपाठी ने जिला रेडक्रास राजगढ़ के प्रवास के दौरान कलेक्टर हर्ष दीक्षित के साथ-साथ सेवा भारती के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रेडक्रास के सेवा कार्यों को संयुक्त रूप से सेवा भारती के साथ जोड़ने का संकल्प लिया।

प्रदीप त्रिपाठी ने कलेक्टर हर्ष दीक्षित को अवगत कराया कि सेवा भारती के द्वारा प्रदाय की गई रोगी वाहन से राजगढ़ जिले में जनहित स्वास्थ्य सेवा कार्यों, महिला, वृद्ध, बच्चे एवं निर्धन व्यक्तियों को दूर-दराज स्थानों पर सेवाएं उपलब्ध कराई जायेगी। यह अत्याधुनिक रोगी वाहन रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा जिले में संचालित की जाएगी। यह प्रथम बार होगा की रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा सेवा भाव से जोड़ी गई संस्थाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने में सहयोग मिलेगा।

प्रदीप त्रिपाठी ने कलेक्टर से जूनियर रेडक्रास एवं युवक रेडक्रास के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों एवं महाविद्यालयों में जूनियर रेडक्रास एवं युवक रेडक्रास की गतिविधियां संचालित हैं। राजगढ़ जिले में जूनियर रेडक्रास एवं युवक रेडक्रास की गतिविधियां प्रभावशील बनाये जाने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी एवं महाविद्यालयों के प्रचार्यों के आवश्यक निर्देश दिये जायें जिससे कि राजगढ़ जिले में जूनियर रेडक्रास एवं युवक रेडक्रास अधिक सक्रिय हो सके एवं स्कूल एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को रेडक्रास के कार्यों से जोड़ा जा सके तथा उन्हें रक्तदान, नशामुक्ति आदि के लिये जागरूक किया जावे तथा उन्हें वृक्षारोपण, स्वास्थ्य आदि जनहित कार्यों के प्रति जागरूक भी किया जा सके।

श्री त्रिपाठी ने बताया कि रेडक्रास सेन्टजॉन एम्बुलेंस के अंतर्गत प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) का प्रशिक्षण देता है। यह प्रशिक्षण 8 दिन (कुल 16) घण्टे का होता है। यह प्रशिक्षण जूनियर रेडक्रास एवं युवक रेडक्रास के बच्चों के स्कूल एवं महाविद्यालया में दिया जा सकता है। इसके साथ ही अन्य कारखानों, फैक्ट्री में भी इस प्रशिक्षण का बहुत महत्व होता है। प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) के प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र युवाओं के नौकरी में भी काफी रोजगारमुखी साबित होता है। उन्होंने जिले में अधिक से अधिक युवाओं के प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण दिये जाने की बात कही।

प्रदीप त्रिपाठी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के 2025 तक टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत भारतीय रेडक्रास सोसायटी राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशन में प्रदेश में रेडक्रास द्वारा टी.बी. मरीजों के उपचार एवं उन्हें पोषण आहार उपलब्ध कराने हेतु नि:क्षय मित्र बनाये जाने का संकल्प लिया गया है। अभी तक प्रदेश में रेडक्रास द्वारा 1000 से अधिक नि:क्षय मित बनाये गये हैं, जो टी.बी मरीजों को 6 माह के पोषण आहार एवं दवाईयों की व्यवस्था करते हैं। राजगढ़ जिले में भी इस अभियान को अधिक सक्रिय किया जावे। एक मरीज पर केवल प्रतिमाह 700 रूपये व्यय होता है इस हेतु समाजसेवी संस्था एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को प्रेरित किया जावे।

श्री त्रिपाठी ने बताया कि माननीय राज्यपाल महोदय श्री मंगुभाई पटेल द्वारा सिकल सेल/एनीमिनिया जैसी घातक बीमारी के उपचार हेतु अभियान चलाया गया है। इस अभियान के अंतर्गत रेडक्रास द्वारा मध्यप्रदेश शासन के जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा चिन्हित 20 जिलों में व्यापक रूप से कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आपके जिले में भी सिकल सेल/एनीमिनिया की जांच व्यवस्था की जावें तथा मरीजों के उपचार की व्यवस्था की जावे।

बैठक के अंत में श्री त्रिपाठी ने कलेक्टर हर्ष दीक्षित के अवगत कराया कि राजगढ़ जिले में रेडक्रास सेवा कार्य हेतु अपने सिद्धांतों के अनुसार सुचारू रूप से कार्य करे इसके लिये भारतीय रेडक्रास सोसायटी शाखा समिति नियम 2017 की नियमावली के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया अपनाकर रेडक्रास की समितियां गठित की जावें। निर्वाचित पदाधिकारियों की नियुक्ति कर उन्हें सेवा कार्यों से जोड़ा जावे।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में हिंदी पत्रकारिता दिवस पर हुआ व्याख्यान

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया । व्याख्यान की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) केजी सुरेश ने की । मुख्य वक्ता के रुप में मैसूर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं संचार विभाग की प्रमुख एवं मानसा रेडियो स्टेशन की फार्मर कोऑर्डिनेटर प्रो (डॉ) एम.एस. सपना ने अपने विचार व्यक्त किए । इस अवसर पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुंदे विशेष रुप से उपस्थित थीं। व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) केजी सुरेश ने कहा कि पत्रकारिता का साहित्य से बहुत गहरा एवं नजदीकी संबंध है । उन्होंने कहा कि समय के साथ संबंध में थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन आज की युवा पीढ़ी को इसे संभालते हुए भारतीय भाषाओं के शब्दों में लेखन करना होगा। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता में भावात्मक अर्थ की आवश्यकता है।

प्रो. सुरेश ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा इसीलिए भारतीय भाषा विभाग की स्थापना की गई है । कुलपति प्रो. सुरेश ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा शीघ्र ही भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की जाएगी । देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सोनाली नरगुंदे ने अहिंदी भाषा क्षेत्र के लोगों की प्रशंषा करते हुए कहा कि आजकल वे हिंदी भाषा का गौरव बढ़ा रहे हैं । उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा का मतलब मां की भाषा है । मुख्य वक्ता प्रो डॉ. एम.एस.सपना ने विद्यार्थियों से कहा कि आपको जमीन पर जाकर रिपोर्टिंग करनी होगी।

फ़रार फेथ बिल्डर्स के गुर्गे ने हटाई कैचमेंट एरिया को सुरक्षित करने के लिये फेंसिंग और सार्वजनिक सूचना पटल

भोपाल। प्रशासन के कुछ अफ़सरों और फेथ बिल्डर के मिलीभगत केरवा बैक वाटर कैचमेंट एरिया पर अवैध कब्जा किया गया, दीवार का निर्माण किया और किस अवेध खनन और खुदाई की गई और अपने निजी क्षेत्र को भरा गया। यह नजारा साफ़ देखा जा सकता है। सोमवार 29 मई को माइनिंग विभाग द्वारा पंचनामा बनाकर केस भी दर्ज किया। उसी शासन की कार्यवाही के विरोध में फ़ेथ बिल्डर्स के गुर्गों ने शासन के विरोध में यह कदम उठाकर सरकार को चेतावनी दी है।

हुजूर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुशलपुरा में केरवा डेम के बैकवाटर कैचमेंट एरिया में शहर के नामी और फ़रार फैथ बिल्डर द्वारा अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिसकी शिकायत आसपास के भू मालिको ने प्रशासन को भी की है परंतु अधिकारियों द्वारा इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई फलस्वरूप फेथ बिल्डर द्वारा अवैध निर्माण कार्य निरंतर जारी रखा। एक जागरूक नागरिक पर्यावरण प्रेमी दुवारा शासन को सूचित करते हुए पर्यावरण को सुरक्षित करने की पहल की और अपने पैसे से फैसिंग करायी और सार्वजनिक सूचना पटल भी लगाया परंतु अफ़सर शाही की मिली भगत से उसे भी तोड़ दिया गया।

ज्ञात हो कि केरवा डैम का बैकवाटर एरिया में बरसात के पानी को स्टोर किया जाता है जो की बाद में आधे शहर को पानी पीने ओर रोज़ मर्रा के इस्तेमाल मे दिया जाता है अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी कोई कार्यवाही न करना बिल्डर से उनकी मिली भगत होने की और इशारा करता है एक तरफ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पर्यावरण को बचाने के लिए कार्य किया जा रहा है तो वही दूसरी ओर फेव बिल्डर जैसे लोग पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने जैसे अवैध कार्य कर रहे हैं।

भोपाल। गौरव दिवस के अवसर पर जीपी बिड़ला संग्रहालय में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

दतिया पुलिस ने पकड़ी अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री, 2 आरोपी गिरफ्तार

7 हथियार, 25 जिंदा कारतूस व निर्माण सामग्री की बरामद

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशों के पालन में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाए जाने एवं आम जनता की सुरक्षा की भावना को दृष्टिगत रखते हुए मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा अपराधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में चंबल जोन के पुलिस महानिरीक्षक सुशांत कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में दतिया के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा जिले में लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सेंवढ़ा पुलिस ने 29 मई 2023 को अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर 7 अवैध हथियार, 25 जिंदा कारतूस, हथियार निर्माण की सामग्री, कई अनिर्मित हथियार व बैरल सहित अन्य सामग्री बरामद कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

चेकिंग के दौरान पकड़ा गया आरोपीः उल्लेखनीय है कि सेंवढ़ा-दतिया रोड पर सेंवढ़ा पुलिस द्वारा चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली की एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर बेरछा तिराहे पर खड़ा है। सूचना पर चेकिंग के दौरान तैनात बल ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर एक संदिग्ध व्यक्ति को धरदबोचा, जिसने अपना नाम मनीष पिता भंवर सिंह जाटव (उम्र 21 साल) निवासी बेरछा तिराहा, सेंवढ़ा का होना वताया। मनीष जाटव की तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का एक देशी कट्टा, बैरल में एक जिंदा कारतूस और पेंट की जेब में एक जिंदा कारतूस मिला। लाइसेंस के बारे में पूछने पर उसके पास कोई वैध लाइसेंस होना नहीं पाया गया।

आरोपी की निशानदेही पर अवैध हथियारों की फैक्ट्री पहुंची पुलिसः अवैध हथियार के साथ पकड़े गए आरोपी मनीष ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसने कट्टा बैलदारों का मोहल्ला के वार्ड नंबर 11 में रहने वाले मानसिंह जाटव और उसके लड़के सुनील जाटव से खरीदा है, जिन्होंने अपने घर में कट्टा बनाने की फैक्ट्री खोली है। उसने बताया कि उसे यह कट्टा मानसिंह जाटव के नाती सुनील पिता रामखिलौना जाटव ने दिलवाया है, जिसने मोबाइल में कट्टा व बंदूक बनाने का वीडियो दिखाया था। आरोपी मनीष की निशानदेही पर पुलिस मानसिंह जाटव के घर पहुंची, जहां पुलिस को सुनील पिता रामखिलौना जाटव मिला।

पुलिस ने फैक्ट्री में जब्त की यह सामग्री

घर के अंदर पुलिस ने प्रत्येक कमरे को बारीकी से सर्च किया। मकान की सर्चिंग के दौरान पुलिस को अवैध हथियार बनाने का सामान, जिसमें 2 बड़ी ड्रिल मशीन, 1 छोटी ड्रिल मशीन, 1 वेल्डिंग मशीन, एक भट्टी चलाने का पंखा, 1 ग्राइन्डर व हथियार बनाने में उपयोग होने वाले औजार व सामान मिला। इसके साथ ही एक बोरी में 6 छोटे-बड़े आकार के कट्टे, जिनमें 12 बोर के 2 कट्टे, 315 बोर के 3 कट्टे व 1 अधूरी बनी सिंगल शॉट रायफल मिली। पुलिस को 315 बोर के 13 जिंदा कारतूस, 12 बोर के 10 जिंदा कारतूस, कट्टे व हथियार निर्माण में उपयोग होने वाले औजार और लोहे की सामग्री मिली। सुनील से इस फैक्ट्री को चलाने व हथियार बनाने के संबंध में पूछने पर उसके पास कोई वैध लाइसेंस नहीं पाया गया। पुलिस ने वहां मिले सामान, अवैध हथियार व कारतूस को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अपराध विवेचना में लिया: आरोपी सुनील पिता रामखिलौना जाटव से फैक्ट्री के बारे में पूछने पर उसने बताया कि यह फैक्ट्री उसके परिवार के दादा मानसिंह जाटव व उनका पुत्र सुनील मिलकर चला रहे हैं और वह भी उनके साथ कट्टे व हथियार बनाना सीख रहा है। उसने बताया कि मानसिंह और उनका पुत्र सुनील हथियार बनाने का सामान लेने बाहर गए हैं। पुलिस ने आरोपी मनीष जाटव, सुनील पिता रामखिलौना जाटव, मानसिंह जाटव और सुनील पिता मानसिंह जाटव के विरुद्ध 25(1)(a), 25-1(aa) और 27 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अपराध विवेचना में लिया है।

किडस रागा स्कूल में एक महीने से आयोजित समर कैंप का समापन

भोपाल। किडस रागा स्कूल रुचि लाइफ़ ब्रांच में एक महीने से चल रहे समर कैंप का समापन हो गया। समापन कार्यक्रम में बच्चों ने जो हुनर सीखा उसको मंच पर आकर प्रस्तुत किया। इस दौरान बच्चों के साथ अभिभावक भी मौजूद थे। बच्चों ने डांस, म्यूजिक के साथ कई तरह के हुनर सीखे। इस तरह के आयोजनो से बच्चों मे आत्मविश्वास और स्वयं को ज़िम्मेदार समझने की शुरुआत होती है। स्कूल की संस्थापक वंदना शुक्ला ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा आज तो बच्चे कल का भविष्य और हमारा सब का कर्तव्य बनता है कि बच्चों में अच्छे संस्कार स्थापित करें ताकि हमारे प्रदेश को देश का नाम रोशन करते रहे।

एम्स की ग्राउंड-ब्रेकिंग रिसर्च

जोड़ों के गैप में मिलने वाले तरल पदार्थ में मौजूद बायोकेमिकल मार्कर से मृत्यु के समय का अनुमान

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

Dr.Raghvendra Kumar Vidua

Dr.Ashok Kumar

Dr.Atul Kecke

Dr.Poova Raghavan

बायोकैमिस्ट्री विभाग के सहयोग से एम्स भोपाल के फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग में किए गए एक महत्वपूर्ण क्रॉस-सेक्शनल तुलनात्मक शोध में मृत्यु के बाद के समय का सटीक अनुमान लगाने के लिए एक नए दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला है। 60 मृत शरीरों पर दो वर्षों के अध्ययन में मृत्यु के बाद का समय सिनोवियल फ्लूइड (जोड़ों के गैप में मिलने वाला तरल पदार्थ) में जैव रासायनिक मापदंडों को सफलतापूर्वक सह-संबद्ध किया है। निष्कर्षों में फोरेंसिक जांच को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने और पोस्ट-मॉर्टम अंतराल के अधिक सटीक अनुमानों में योगदान करने की क्षमता है।

फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ, बायोकैमिस्ट्री के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार, फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अतुल केचे और डॉ. पूवा राघवन, जूनियर रेजिडेंट की टीम ने फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, नैतिक दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए और मृतक के परिजनों से सूचित सहमति प्राप्त करके सावधानीपूर्वक अध्ययन किया ।

शोध दल ने सोडियम, पोटेशियम, लैक्टेट और कुल प्रोटीन सहित विशिष्ट जैव रासायनिक मापदंडों को मापने के लिए मृत शरीर के घुटने के जोड़ से एकत्रित श्लेष द्रव का विश्लेषण करने पर ध्यान केंद्रित किया। रैंडम एक्सेस पूरी तरह से स्वचालित रासायनिक विश्लेषक का उपयोग करके विश्लेषण किया गया था। सिनोवियल सोडियम और मृत्यु के बाद के समय को छोड़कर, परिणामों ने परीक्षण किए गए जैव रासायनिक मार्करों के बीच एक महत्वपूर्ण सह-संबंध प्रदर्शित किया। विशेष रूप से, पोटेशियम और लैक्टेट ने मृत्यु के बाद से समय के साथ एक महत्वपूर्ण सकारात्मक सह-संबंध दिखाया, जबकि कुल प्रोटीनों का एक महत्वपूर्ण नकारात्मक सह-संबंध प्रदर्शित किया। इन निष्कर्षों से पता चलता है कि इन मार्करों का उपयोग मृत्यु के बाद के समय का अनुमान लगाने के लिए प्रभावी ढंग से किया जा सकता है, फोरेंसिक जांचकर्ताओं को उनके विश्लेषण के लिए अधिक उद्देश्यपूर्ण और विश्वसनीय उपकरण प्रदान करते हैं। प्रमुख शोधकर्ता डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ ने टिप्पणी की कि, हमारा अध्ययन फोरेंसिक चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो सिनोवियल फ्लूइड के जैव रासायनिक विश्लेषण के माध्यम से पोस्ट-मॉर्टम अंतराल का अनुमान लगाने में आशाजनक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इन निष्कर्षों में सटीकता को बढ़ाने की क्षमता है और फोरेंसिक जांच की निष्पक्षता, अंततः अपराधों को सुलझाने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सहायता करना।

अध्ययन, जिसे जल्द ही प्रतिष्ठित अमेरिकन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी में प्रकाशित किया जाएगा, बड़े नमूना आकारों के साथ आगे के शोध की मांग करता है और निष्कर्षों को मान्य करने और विस्तार करने के लिए पोस्ट-मॉर्टम अंतराल को प्रभावित करने वाले अतिरिक्त कारकों पर विचार करता है।

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर किया जागरुक

योग से सम्पूर्ण मन और व्यक्तित्व का शुद्धिकरण होता है: महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 31 मई को विश्व स्तर पर विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इसको मनाने का मुख्य उद्देश्य तंबाकू के खतरों और स्वास्थ्य पर इसके नकारात्मक प्रभावों के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है। यही नहीं, निकोटीन और तंबाकू ?यवसाय का पर्यावरण पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों के प्रति कैंपेन चलाना और इससे होने वाली बीमारियों व मौतों को कम करना भी है। तंबाकू का सेवन करने के कारण होने वाले गंभीर रोगों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाता है जैसे कि फेफड़ों, लिवर, कोलन, मुंह, ?ब्रेस्ट का कैंसर, हृदय रोग डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। तनाव रहना।थकान रहना। भूख

न लगना। सांस लेने में परेशानी। कैंसर होने का खतरा। गले से जुड़ी समस्या होना। लंबे समय तक खांसी होना।ठीक प्रकार से नींद न आना कभी-कभी खांसते समय खून आना। योग गुरु अग्रवाल ने इस अवसर पर बताया कि तम्बाकू सेवन से प्राप्त अनुभव द्वारा मन के सभी नियंत्रण गायब हो जाते और वास्तव में अपनी भावनाओं के जगत् में मनुष्य लाचार और बेसहारा हो जाता है। वास्तव में ध्यान एक सृजनात्मक प्रक्रिया है जिसके द्वारा अनियंत्रित भावनाओं, विचारों और संकल्प शक्ति को चेतना की सूक्ष्म गहराई में केन्द्रित कर उन्हें नियंत्रित ढंग से परिवर्तित किया जा सकता है। तम्बाकू सेवन से शारीरिक और मनोवैज्ञानिक प्रभावों द्वारा मानसिक शक्ति का ह्रास होता है। दु:ख, कष्ट या पीड़ा सापेक्षिक चीजें हैं। दुःख और सुख, प्रसन्नता और पीड़ा मन के ही अनुभव हैं। ये सब वास्तविक घटनायें नहीं हैं। मन सापेक्षता के नियम से बँधा हुआ है और वह अपने अनुभवों को यथार्थ दिखाना चाहता है। इसलिये अगर अपने मन और अनुभवों के स्तर को सुधारना चाहते हो, तो अपने व्यवहार को परिवर्तित करो, अपनी वस्तुगत प्रतिक्रियाओं में परिवर्तन लाओ।

बीटा थैलेसीमिया और हीमोग्लोबिनोपैथी के नियंत्रण के लिये चिकित्सकों को मिलेगा प्रशिक्षण

भोपाल। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने मंगलवार को गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य हीमोग्लोबिनपैथी मिशन में ईको इंडिया के सहयोग से बीटा थैलेसीमिया और हीमोग्लोबिनोपैथी के नियंत्रण और रोकथाम के लिये क्षमतावर्धन के लिये नॉलेज हब का शुभारंभ किया। मंत्री सारंग ने कहा कि नॉलेज हब के माध्यम से बीटा थैलेसीमिया सहित विभिन्न रक्त विकारों की पहचान, उपचार एवं रोकथाम में सहायता मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि सिकल सेल, एनीमिया जैसी गंभीर रक्तजनित बीमारियों की रोकथाम के लिये राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया जा रहा है। एमडी एनएचएम प्रियंका दास, डीएमई डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, ईको इंडिया के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. सुनील आनंद, डीन गांधी चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. अरविंद राय, हमीदिया अस्पताल अधीक्षक डॉ. आशीष गोहिया सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित थे। मंत्री सारंग ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं ईको इंडिया द्वारा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में नॉलेज हब की स्थापना की गई है। इससे प्रदेश के 50 जिलों में बीटा थैलेसीमिया और हीमोग्लोबिनोपैथी पर केंद्रित चिकित्सकों की क्षमता वृद्धि कार्यक्रम में 150 डॉक्टर्स के शुरूआती समूह के लिए प्रशिक्षण-सत्र शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में मेडिकल के साथ ही इंजीनियरिंग के समावेश से सुदूर इलाकों के चिकित्सकों को भी गंभीर बीमारियों के उपचार में सहायता मिलेगी।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने देशभर से आए शोधार्थियों ने किया मंथन

विजन जीरो समिट

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

होटल कोर्टयार्ड मैरियट में आयोजित की जा रही पहली 'विजन जीरो समिट' के दूसरे दिन देश के विभिन्न स्थानों से आए शोधार्थियों और अनुसंधान विद्वानों ने विचार रखे। इस दौरान उन्होंने सड़क सुरक्षा के लिए जनसहयोग और जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया साथ ही दुर्घटनाओं के कारण और उनके नियंत्रण पर भी मंथन किया। इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के विभिन्न स्थानों से आए शोधार्थी और अनुसंधान विद्वानों ने प्रस्तुतिकरण दिया। समिट के दूसरे दिन पहले सत्र में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की सीईओ श्रीमती तन्वी सुन्द्रियाल (आईएएस) ने दतिया, धार और इंदौर का उदाहरण देते हुए जनसहयोग से किए जा रहे सड़क सुरक्षा के कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जनजागरुकता से ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है। उन्होंने चार 'ई' (एजुकेशन, इंजीनियरिंग, इन्फोर्समेंट और इमरजेंसी केयर) पर विस्तार से जानकारी दी।

सड़क सुरक्षा में अतिक्रमण और अवैध पार्किंग सहित कई चुनौतियां

श्रीमती सुन्द्रियाल ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा में अतिक्रमण और अवैध पार्किंग बड़ी चुनौतियां हैं।

यातायात के दबाव के अनुरूप सड़कें संकरी हैं। सड़क सुरक्षा के लिए जेब्रा क्रॉसिंग, पर्याप्त फुटपाथ, टेबल टॉप क्रॉसिंग और वेंडर्स के लिए उपयुक्त स्थान, ऑन स्ट्रीट पार्किंग, सोलर ब्लिंकर्स आदि का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक प्रबंधन के लिए आधुनिक उपकरण का प्रयोग किया जा रहा है। इनमें लेजर स्पीड गन, ब्रीथ एनालाइजर, राडार स्पीड गन, बॉडी वॉर्न कैमरा, डैशबोर्ड कैमरा और सीसीटीवी व एएनपीआर काफी हद तक सड़क सुरक्षा में कारगर हैं। उन्होंने धार, इंदौर और दतिया में इन उपकरणों की संख्या और उसके प्रभाव को भी विस्तार से समझाया। इमरजेंसी केयर के बारे में उन्होंने इंदौर, धार और दतिया का विश्लेषण करते हुए बताया कि जिला स्तर पर ट्रॉमा सेंटर का विकास हो रहा है। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का भी विकास तेजी से किया जा रहा है।

समिट के दूसरे दिन का शुभारंभ सत्र 'अचीविंग ट्रांसफॉर्मेशन चेंज एंड इनोवेशन' पर केंद्रित रहा। इसमें एमपीआरआरडीए की सीईओ आईएएस श्रीमती तन्वी सुन्द्रियाल, सेव लाइफ फाउंडेशन मुंबई के डॉ. रोशन जोस और एसपीए, दिल्ली के डॉ. संजय गुप्ता ने विचार व्यक्त किए। समन्वयक की भूमिका मैनिट के प्रोफेसर डॉ. राहुल तिवारी और नीलांजन पॉल ने निभाई। अगला सत्र 'एक्टिव एंड इमर्जिंग सिस्टम फॉर रोड सेफ्टी' पर हुआ, जिसमें की-नोट स्पीकर एवं सूत्रधार के रूप में डॉ.नेहा कोल्हे मौजूद थीं। इसमें पूजा कुमारी, सुहानी जैन, श्रुति सोनी, कुनाल पासी, डॉ.शशि सक्सेना, डॉ. वात्सल्य कौशल और प्रशांति राव ने प्रजेंटेशन दिया। इस दौरान उन्होंने इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम, पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम, रोड सेफ्टी के लिए विभिन्न उपायों के बारे में जानकारी दी।

आगामी सत्र 'ऑटोमेटेड एन्फोर्समेंट एंड सेफ्टी एसेसमेंट' विषय पर केंद्रित रहा। इस सत्र में की-नोट स्पीकर के रूप में डॉ.पूर्णिमा परिदा और सूत्रधार डॉ.बिवीना जी .आर. मौजूद रहीं। इस सत्र में श्री संजय कुमार वी.एस., श्री तन्जीम आमीन, श्री ऋषि कुमार सोलंकी, श्री परिजात जैन, श्री एबिन सेम व श्री रविशंकर ने प्रस्तुतिकरण दिया । इस दौरान उन्होंने पदयात्रियों की सुरक्षा, ब्लैक स्पॉट का चयन आदि विषयों पर शोध प्रस्तुत किया।

अगला सत्र 'रिस्पॉन्सबिलिटीज ऑफ रोड ओनिंग एजेंसीज एंड सेफ्टी कैपिसिटी बिल्डिंग' विषय पर सत्र हुआ। इसमें मौसमी हजेला की-नोट स्पीकर रहीं। सत्र में यशी तिवारी, श्री करण मूलचंदानी, श्री कार्तिक खोखर, श्री राकेश मल्होत्रा, प्रिशिता शर्मा और श्री सरवर आजाद ने शोध प्रस्तुत किया। शोधार्थियों ने इस दौरान सुरक्षित रोड डिजाइन, सड़क दुर्घटनाओं का इकोनॉमिक इम्पैक्ट आदि विषयों पर शोध प्रस्तुत किए। अंतिम सत्र 'सेफ रोड डिजाइन' पर हुआ, जिसमें की-नोट स्पीकर के रूप में श्री परमजीत दासगुप्ता मौजूद रहे।

स म्पा द की य

ये हमारा सिस्टम है...

करे कोई, भरे कोई वाली कहावत एक बार फिर मध्यप्रदेश में हो रही है। जिस तरह से व्यापमं घोटाला हुआ, रिश्वत देने वाले जेल भी गए और काल के गाल में भी, लेकिन रिश्वत लेने वाले असल लोग आज भी ठहाका मार रहे हैं। इसी तरह का घोटाला नर्सिंग कालेज के बच्चों के साथ हो रहा है। टकराव सरकार और कालेज संचालकों के बीच हो रहा है और बच्चों का भविष्य बर्बादी की कगार पर पहुंच गया है। न सरकार और न ही कोर्ट, कोई युवा छात्रों की समस्या का हल नहीं निकाल पा रहे हैं।

देखा जाए तो मध्यप्रदेश के मामले में सीबीआई अधिकांश मामलों में फेल ही रही है। इसमें एक दर्जन से अधिक मामले शामिल हैं, व्यापम को मिलाकर। इसी तरह अब नर्सिंग घोटाले का मामला सामने आ रहा है। और विडम्बना यह है कि कालेज संचालक इस बात पर अड़े हुए हैं कि वो सरकार के नियम नहीं मानेंगे। नर्सिंग घोटाले का मामला हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में विचाराधीन है। 26 जुलाई को कोर्ट में सीबीआई रिपोर्ट पेश करेगी। इसी रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट निर्णय ले सकता है, लेकिन इसके चलते 40 हजार नर्सिंग स्टूडेंट्स के भविष्य पर संकट मंडरा

रहा है।

हालत ये है कि जिन स्टूडेंट्स को अब तक डिग्री मिल जानी चाहिए थी, वे पहले साल की परीक्षा का ही इंतजार कर रहे हैं। जांच और नर्सिंग कॉलेजों की मनमानी के बीच छात्र पिस रहे हैं। क्योंकि नर्सिंग कॉलेज खुलकर कहते हैं कि वे मानकों का पालन नहीं करेंगे, क्योंकि उनके पैसे तो अफसरों की जेब भरने में खत्म हो जाते हैं। ऐसे ही करीब 375 नर्सिंग कॉलेजों की जांच सीबीआई कर रही है। दैनिक भास्कर ने न्याय का इंतजार कर रहे छात्रों से बात की। असल में फर्जी नर्सिंग कॉलेजों ने कागजों में खुद का यहां 100 या इससे ज्यादा बेड की जानकारी दी हुई थी। कोविड के समय अफसरों ने इनसे संपर्क करके मरीजों के लिए बेड मांगे। इसके बाद पोल खुल गई। जांच के दौरान अनियमितताएं सामने आने लगीं। फिर कोर्ट में भी याचिका लगाई गई।

व्यापमं की तर्ज पर ही मध्यप्रदेश में नर्सिंग घोटाला सामने आया। पता चला कि नर्सिंग काउंसिल की तरफ से ऐसे कॉलेजों को भी मान्यता दी गई, जो दूर-दूर तक मानकों को पूरा नहीं करते। कई कॉलेज एक मकान में या कुछ कमरों में संचालित थे, तो कई सिर्फ कागजों में चल रहे थे। हाईकोर्ट ने इसकी जांच सीबीआई को सौंपी। साथ ही, नर्सिंग परीक्षाओं पर भी रोक लगा दी। कोर्ट में राज्य सरकार, मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी और मध्य प्रदेश नर्सेज रजिस्ट्रेशन काउंसिल परीक्षाओं पर रोक हटाने के ही पक्ष में रही। मगर, हाईकोर्ट का रुख सख्त रहा है।

पिछले महीने हाईकोर्ट में हुई सुनवाई में जस्टिस रोहित आर्या और जस्टिस सत्येंद्र कुमार सिंह ने फर्जी नर्सिंग कॉलेजों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने की बात कही थी। कोर्ट ने ये भी कहा कि इन कॉलेजों को जरिए ऐसे लोगों को भी परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाती है, जिन्हें नर्सिंग का एन भी नहीं आता। नर्सिंग कॉलेज भी तय मानकों का पालन नहीं करने पर अड़े हुए हैं। नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर दो प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल कहते हैं कि नर्सिंग काउंसिल के नियम प्रैक्टिकल नहीं हैं। हम मान्यता के लिए अफसरों को घूस देते-देते इतना ज्यादा परेशान हो जाते हैं कि कॉलेज की स्थिति सुधार पाने में सक्षम नहीं हैं। सालभर की फीस 60-70 हजार रुपए होती है। इतनी फीस लेकर तो यह बिल्कुल भी मुमकिन नहीं है कि हम इस तरह की सुविधाएं दे सकें। इंडियन नर्सिंग कॉलेज द्वारा तय मानक, जिसमें शिक्षक और छात्रों का अनुपात 1:10 रखने को कहा गया है, यह नियम तो सरकारी कॉलेजों में भी पालन नहीं होता। बीते तीन साल में स्थिति ऐसी हो गई है कि हम अपनी तरफ से पैसे लगाकर छात्रों को पढ़ा रहे हैं। अगर कोर्ट का फैसला हमारे खिलाफ गया, तो जो फीस हमने ली है, वो भी लौटाने के लिए बाध्य होंगे।

अब सवाल यह उठता है कि छात्रों की क्या गलती? और यदि मानकों-प्रावधानों की कीमत पर भारी रिश्वत लेकर नर्सिंग कालेज खुलवा दिए गए, तो उन अधिकारियों की जांच भी तो होना चाहिए, जिनके हस्ताक्षर मान्यता वाले कागजों पर हैं। क्या सरकार की इतनी हिम्मत नहीं कि उन अधिकारियों की सूची बनाए? उन अधिकारियों या इसमें शामिल राजनीतिक पदों पर बैठे लोग सरकार पर भारी पड़ रहे हैं। हमारे मुख्यमंत्री तो मंच से भ्रष्ट अधिकारियों को सस्पेंड और बर्खास्त कर देते हैं, उन्हें नर्सिंग मामले में चालीस हजार बच्चों के भविष्य से खेलने वालों को जेल तो भिजवाना ही चाहिए। सीबीआई की कार्यशैली पर तो मध्यप्रदेश वालों को तो कम से कम कतई भरोसा नहीं है, क्योंकि व्यापमं कांड में ये सैकड़ों निर्दोषों को न केवल जेल भिजवा चुकी है, अपितु दर्जनों लोगों की मौत की भी जिम्मेदार है। कोर्ट पर जरूर भरोसा है, लेकिन उसकी गति भी बहुत धीमी है। सरकार में बैठे लोगों के कारण ही सब हो रहा है, लेकिन वो न केवल आज भी भ्रष्टाचार कर रहे हैं, अपितु नर्सिंग के चालीस हजार निर्दोष छात्रों के भविष्य की बर्बादी पर खिलखिला कर हंस रहे हैं। उनके बच्चे प्रदेश और देश के बाहर इसी भ्रष्टाचार की कमाई से पढ़ रहे हैं। जय हो ऐसे सिस्टम की। और हमारी सोती हुई जनता की, जो जिंदाबाद-मुर्दाबाद और जयकारों में ही खुश है।

मुस्लिम मतदाता और मुफ्त का प्रलोभन होंगे मुद्दा

रमण रावल

देश भर के हालिया चुनावों पर नजर डाली जाये तो साफ तौर पर एक बात ठोस तरीके से उभर कर सामने आती है। दिल्ली, पंजाब, हिमाचल, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में दो तत्वों ने ही नतीजे तय किये हैं। पहला, मतदाता को अधिकतम मुफ्त में कौन, क्या, कितना दे रहा है और मुस्लिम मतदाता किसके साथ जा रहा है। चूंकि मुस्लिम मतदाता खुले तौर पर भाजपा के खिलाफ रहता है और जिस राज्य में जो भी राजनीतिक दल भाजपा के सामने मजबूत नजर आता है, वह खुल्लम-खुल्ला उसके पक्ष में थोक में मतदान करता है। दिल्ली, पंजाब में आम आदमी पार्टी, बंगाल में तृणमुल कांग्रेस पार्टी, हिमाचल में कांग्रेस और अब कर्नाटक में भी कांग्रेस मुस्लिम मतदाता उप्र, बिहार के चुनाव में कांग्रेस के साथ नहीं जाता, क्योंकि वह जानता है कि उन प्रदेशों में कांग्रेस शून्य है। याने उसे अपना मत फिजूल खर्च न करने की समझ भी है। तब सवाल यह है कि इस वर्ष होने वाले पांच राज्यों के कहां, क्या स्थिति बनेगी?

मिजोरम में मुस्लिम वर्चस्व नहीं है। तेलंगाना की के चंद्रशेखर राव (केसी आर) के नेतृत्व वाली सरकार ने मुस्लिम मतदाताओं के लिये खजाना खोल रखा है। 119 सदस्यीय सदन में उनके गठबंधन को 103 और अकेले उनके दल को 88 सीटें प्राप्त हैं। करीब साढ़े तीन करोड़ की कुल आबादी में मुस्लिम मतदाता करीब 13 प्रतिशत है और राज्य की 50 से अधिक सीटों का

समीकरण वे बना, बिगाड़ सकते हैं। केसीआर की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति का अंदाज आप इससे लगा सकते हैं कि उनके कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन बार राज्य के दौरे पर गये, लेकिन केसीआर एक बार भी उन्हें लेने विमानतल पर नहीं गये, न शिष्टाचार भेंट की। वहां इस वर्ष के चुनाव में केसीआर के सामने कोई बड़ी चुनौती फिलहाल तो नहीं है, बावजूद इसके कि वहां मुस्लिमों के बड़े नेता ओवैसी की एआईएमआईएम (आल इंडिया मजलिस- ए- इत्तेहादुल मुस्लिमिन) भी सक्रिय है।

उत्तर भारत के शेष तीन राज्यों में मप्र, छत्तीसगढ़ और राजस्थान आते हैं, जहां मुस्लिम मत निर्णायक तो नहीं हैं, किंतु उनकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती। इन तीनों राज्यों में वे समान रूप से कांग्रेस को ही जायेंगे, क्योंकि यहां ऐसा कोई दूसरा दल नहीं है, जो कांग्रेस के मुकाबले ज्यादा मजबूत हो और भाजपा को टक्कर दे रहा हो। इन प्रदेशों में मुस्लिम मत बंटेगा तो नहीं, लेकिन वह कितना अधिक तादाद में मतदान स्थल तक पहुंच पाता है, इस पर उन सीटों का भविष्य तय करेगा, जहां वे संतुलन बनाने बिगाड़ने की स्थिति में हैं। ऐसे में यहां कांग्रेस पूरी तरहसे उन घोषणाओं का सहारा लेगी, जो अल्पसंख्यक, पिछड़े, दलित वर्ग व किसानों को आकर्षित कर सके। जहां तक मप्र की बात है तो घोषणाओं और सुविधाओं का पिटारा खोलने में तो अभी शिवराज सरकार चार कदम आगे ही है। वे भांजियों-बहनों के बाद भांजों तक भी पहुंच बना चुके हैं। उन्होंने विभिन्न वर्गों की पंचायतों के जरिये भी उन वर्गों को साधना प्रारंभ कर दिया है, जो एकमुश्त वोट बैंक की श्रेणी में आता है।

कमोबेश यही खेल छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी चल रहा है चुनावी वर्ष के मद्देनजर वहां की कांग्रेसी सरकारें जादू का पिटारा खोल चुकी है। राजनीति के इस चुनावी खेल में अब न कोई नैतिक है, न अनैतिक, न कोई आदर्श आचार संहिता है, न मर्यादापूर्ण आचरण। अब तो एक ही लक्ष्य है सत्ता प्राप्त करना। आप हम जिसे हथकंडे कहें रास्ता मानें या तिकड़म, सबके हाथों में एक ही हथियार है। सबने आवश्यक विजय के लिये सीधे ब्रह्मास्त्र चलाने की नीति अपना ली है। बाजी पहले भी मतदाता के हाथ में थी, अब भी है। अब वह तौल-मोल कर ही मतदान करने लगा है। विधानसभाओं तक में यही अस्त्र कारगर साबित होने लगा हैं। यही परंपरा लोकसभा चुनाव के लिये भी जारी रही तो नतीजे अनपेक्षित भलें न मिलें, सकरात्मक नहीं होंगे।

वैसे भारतीय लोकतंत्र में मुफ्तखोरी का जो स्वरूप अब सामने आया है, वह न तो नया है, न ही हैरत में डालने वाला तरीके और आकार-प्रकार बदल गया। पहले राजनीतिक दल और उनके नेता भी थोड़ा संभल कर खेलते थे। इसलिये वे मतदान पूर्व की एक- दो रात पहले नीचली पिछड़ी बस्तियों में शराब-मुर्गों की व्यवस्था करवा देते थे। उन मोहल्लों से वोट डलवाने की जवाबदारी जिन पर होती थी, उन्हें कुछ रुपये बोनस के तौर पर अलग से दे दिये जाते थे। अब केवल इतना बदला है कि यह सीधे मतदाता के हाथ में जाने लगा है7 दारू – मुर्गे की जगह लेपटॅप, साइकिल, गैस की टंकी, कनेक्शन, मोबाइल और साल छह महीने का डाटा, रेफ्रिजरेटर, घरेलू सामान, स्कूल-कॉलेज तक की मुफ्त शिक्षा, राशन के साथ महिलाओं पुवतियों, बेरोजगारों को सीधे-सीधे उनके खाते में नकद रकम जमा करने के वादे किये जाते हैं। सरकारें इन्हें चुनाव पूर्व शुरू कर देती है तो विरोधी दल घोषणा-पत्रों में इसे शामिल कर वैधानिक साज-श्रृंगार कर देते हैं।

कोई दल इससे अछूता नहीं। राजनीति जैसे एक उत्पाद हो गया। इसकी मार्केटिंग की जा रही है। जो जितना कारोबारी बनकर पेश आयेगा, उपभोक्ता उसी के शो रूम से माल खरीदेगा। लोकतंत्र का मंदिर अब भव्य माल हो गया और जन प्रतिनिधि इसके कॉरपोरेट कारोबारी सेल्समैन, प्रमोटर।

मणिपुर : आखिर चाहते क्या हैं?

-राकेश दुबे

कश्मीर की भाँति मणिपुर भी इंटरनेट प्रतिबंध झेल रहा है। सामान्य स्थिति की बहाली के प्रयासों के तहत अब तक खास किस्म के ड्रोन या क्वैडकॉप्टर, स्निफर डॉग्स, खास इलाकों में पेट्रोलिंग और अतिरिक्त सशस्त्र जवानों की तैनाती की गई है। सवाल यह है कि आखिर, सुरक्षा बल कब तक शांति बनाए रख सकेंगे? भाजपा मूल समस्या से कब तक आँखे मूँदे रहेगी?

इन दिनों मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में कुकी-चिन जनजातियों और इम्फाल घाटी में मैतेईयों के बीच अविश्वास की खाई और गहरी तथा चौड़ी हो रही है। 3 मई को शुरू हुई हिंसा में मैतेई और जनजातीय समूहों के अनेक लोगों की मृत्यु हुई है। इस जातीय हिंसा में मारे गए लोगों के बारे में निश्चित तौर पर अब भी कुछ तय नहीं है। राज्य सरकार द्वारा पेश किए जा रहे 50-70 के आंकड़े पर कोई भरोसा नहीं कर रहा है।

मणिपुर के लोग पास के मिजोरम, असम और अन्य इलाकों में शरण ले रहे हैं। इस हिंसा के खौफनाक विवरण मिल रहे हैं। पड़ोसी राज्यों में इंटरनेट पर कोई प्रतिबंध नहीं है इसलिए वे विवरण दूसरे हिस्सों में पहुंच रहे हैं। मणिपुर में क्या हो रहा है, इस बारे में यकीन करने वाली कथाएं चूंकि गायब हैं इसलिए आदिवासियों को गोलियां मारने, उन पर हमले और उनके साथ बलात्कार की कहानियां यहां-वहां तैर रही हैं जो स्थिति बिगाड़ने वाली ही हैं।

मिजोरम मणिपुर के सबसे पास का पड़ोसी राज्य है और मणिपुर की पहाड़ी जनजातियों का वहां के लोगों से जातीय रिश्ता है। बड़ी संख्या में कुकी लोगों ने असम और मेघालय से लेकर दिल्ली तक में अपने सगे-संबंधियों के यहां शरण ले रखी है। इससे पहले मणिपुर ने आज जैसी पीड़ा झेली भी नहीं थी।

इतिहास कहता है मणिपुर की पहाड़ियों में बसे

नगा और कुकी के बीच कथित अतिक्रमण के नाम पर 1992-1997 के बीच कई बार संघर्ष हुए थे। नगाओं का कहना था कि कुकी लोगों ने उनके पैतृक घरों पर कब्जा कर लिया है। कुकी लोगों का दावा है कि केन्द्र सरकार के साथ बातचीत करने वाले नगा आतंकी संगठन एनएससीएन (आईएम) ने उस वक्त 350 गांवों को उजाड़ दिया और करीब 1,500 नि:शस्त्र कुकी लोगों की हत्या कर दी थी। उस वक्त भी हजारों कुकी लोग विस्थापित हुए थे।

फिर भी, दोनों जनजातियों के बीच रिश्ते इतने खराब नहीं हुए कि वे एकसाथ न रह पाएं। लेकिन मणिपुर के 10 कुकी विधायकों ने जिनमें 7 विधायक भाजपा के हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री को लिखे एक पत्र में अलग %प्रशासन% की मांग की है। इस पत्र में अलग राज्य की मांग तो नहीं है, पर प्रकारांतर से वही बात कही गई है।

आबादी और जमीन का असमान वितरण इस संघर्ष मुख्य बिंदु मे है। मैतेई की आबादी 52 से 60 प्रतिशत के बीच है लेकिन वे मणिपुर के 10 प्रतिशत इलाके में रहते हैं। बाकी बचे हिस्से में अधिकांशत: आदिवासी हैं जो राज्य के भौगोलिक क्षेत्र के 90 प्रतिशत हिस्से में फैले हुए हैं। इस बार हिंसा पहाड़ी जनजातियों की इस आशंका से फैली कि अगर वैष्णवी हिन्दू मैतेई को अनुसूचित जाति श्रेणी दी गई, तो न सिर्फ वे अधिक नौकरियां पा लेंगे बल्कि पहाड़ियों में जमीन खरीदने में भी सक्षम होंगे जिनकी अभी उन्हें इजाजत नहीं है क्योंकि वे आदिवासी नहीं हैं। मैतेई बेहतर आर्थिक स्थिति में हैं और जनजातीय लोगों को आशंका है कि पहाड़ों में जमीन ख़रीदना उनके लिए आसान होगा।

ज़मीन की जनजातियों के लोग पुरखों द्वारा दिया उपहार मानते है और इसे किसी गैर-जनजाति को किसी भी रूप में दे देना उस जमीन का अपमान करना जैसी धारणा है। मैतेई सिर्फ इम्फाल घाटी में केन्द्रित हैं। मणिपुर का इलाका करीब 20,000 वर्ग किलोमीटर है। इम्फाल घाटी इनमें से लगभग 2,000 वर्ग किलोमीटर है। मैतेई लोगों का कहना है कि उनकी आबादी बढ़ रही है और उनके लिए भी जमीन बहुमूल्य है जबकि संसाधनों की कमी है।मैतेईयों का गुस्सा और जनजातियों की आशंकाएं- दोनों ही अपनी-अपनी जगह सही हैं जबकि स्थिति संभालने के प्रयास न के बराबर हो रहे हैं। समाधान की तलाश में राज्य सरकार ने आदिवासी परिषदों और संवैधानिक तौर पर बने हिल एरिया काउंसिल (एचएसी) से संपर्क नहीं किया है। इसकी जगह, एचएसी या जनजातियों को विश्वास में लिए बिना ही मणिपुर की भाजपा सरकार ने पहाड़ियों के वन क्षेत्र में घुसपैठ कर और उन्हें सुरक्षित और संरक्षित वन और वन्य जीव अभयारण्य में बदलकर मामले को पेचीदा बना दिया।

जमीन और आबादी के बीच इस किस्म की असमानता के ऐतिहासिक कारण हैं। कुकी-चिन जनजातियां मूल रूप से बर्मा (अब म्यांमार) की चिन पहाड़ियों की हैं। माना जाता है कि नृशंस बर्मी शासकों से बच निकलने के लिए वे वहां से आ गए। वस्तुत:, बर्मी राजा दहला देने वाले थे और उन लोगों ने 1819 से 1825 के बीच सात वर्षों तक मणिपुर में शासन किया था। उस अवधि को इतिहास सात साल की तबाही के तौर पर पहचानता है। बर्मी जनरल मिंगी महा बंदुला ने राजा मारगीत सिंह और उनके समर्थकों को कछार से भागने को विवश कर दिया था। बड़ी संख्या में मणिपुरी भी कछार से भाग गए क्योंकि वे बर्मी दमन और अत्याचार नहीं झेल सके।

तब ब्रिटिश और बर्मी शासकों के बीच यान्डाबू समझौता हुआ जिसमें बर्मा ने असम, कछार और जैंतिया तथा मणिपुर के शासन-क्षेत्र में हस्तक्षेप न करना स्वीकार किया। मणिपुर के राजा ब्रिटिश राजनीतिक एजेंटों की देखरेख में काम करते रहे, पर उनकी सलाह के बिना ही ब्रिटिश शासन ने काबो घाटी बर्मा को दे दी। मणिपुर के पूर्वी सीमा और चिंदविन नदी के बीच का लगभग 1,200 वर्ग किलोमीटर का यह इलाका काफी उर्वर है।

आजादी के बाद सितंबर, 1949 में महाराजा बोधचंद सिंह के हस्ताक्षर से मणिपुर भारत में शामिल हो गया। पहले वह केन्द्रशासित क्षेत्र था, 1962 में राज्य बना। लेकिन जमीन और आबादी की असमानता की समस्या अब तक नहीं सुलझ पाई।आदिवासियों के लिए अलग राज्य की मांग इस वक्त काफी अपरिपक्व है लेकिन इन सबके स्थायी समाधान को काफी दिनों तक नहीं टाला जा सकता।

कानून और न्याय: विचारण न्यायाधीश और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका

विनय झैलावत

सर्वोच्च न्यायालय ने विचारण न्यायालय की भूमिका पर जोर दिया है। एक प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि उनके समान ही विचारण न्यायालयों की भूमिका भारत के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने की है। इस प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने हत्या के एक आरोपी की सजा इस आधार पर निरस्त कर दी कि प्रकरण में परिस्थितिजन्य साक्ष्य की पूरी श्रृंखला नहीं बन रही है।

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक हत्या के एक आरोपी की सजा को इस आधार पर निरस्त कर दिया कि अंतिम बार देखे गए साक्ष्य, जिस पर दोषसिद्धी आधारित थी, परिस्थितिजन्य साक्ष्य की पूरी श्रृंखला बनाने में विफल रहा। अपील की अनुमति देते हुए, अदालत ने विचारण न्यायाधीष को मूकदर्षक की तरह कार्यवाही देखने के बजाय सच्चाई जानने के लिए मुकदमे में प्रभावी ढंग से भाग लेने के अपने कर्तव्य की याद दिलाई। इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 165 का हवाला दिया, जो विचारण न्यायाधीश को विचारण के दौरान सवाल पूछने का अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हमें डर है कि बचाव पक्ष की जिरह में कमजोरी को इंगित करके पीठासीन न्यायाधीश अप्रत्यक्ष रूप से विचारण में ही कमजोरी को स्वीकार करते हैं। अधिनियम की धारा 165 के तहत, एक विचारण न्यायाधीश के पास किसी भी रूप में, किसी भी समय, किसी भी गवाह से या पक्षकारों से प्रासंगिक या अप्रासंगिक किसी भी तथ्य के बारे में पूछने के लिए जबरदस्त शक्तियां हैं। वास्तव में ऐसा करना विचारण न्यायाधीश का कर्तव्य है, अगर यह महसूस किया जाता है कि कुछ महत्वपूर्ण प्रष्न एक गवाह से पूछे जाने से रह गए थे। मुकदमे का उद्देष्य आखिरकार मामले की सच्चाई तक पहुंचना है।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यह भी कहा गया कि एक आपराधिक मुकदमे के पीठासीन न्यायाधीश का कर्तव्य कार्यवाही को एक दर्शक या रिकॉर्डिंग मशीन के रूप में देखना नहीं है, बल्कि उन्हें सच्चाई का पता लगाने के लिए गवाहों से सवाल पूछकर बुद्धिमत्तापूर्ण सक्रिय रूचि पैदा करके परीक्षण में भाग लेना है।' सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति संजय कुमार की खंडपीठ ने कहा कि हमारे विचार में, वर्तमान मामले में अभियोजन पक्ष अपने मामले को उचित संदेह से परे साबित करने में सक्षम नहीं रहा है। अंतिम बार साथ देखने का प्रमाण केवल एक बिंदु तक ले जाता है। यह पूरी साक्ष्य श्रृंखला बनाने और जोड़ने में विफल रहता है। हमारे पास यहां केवल अंतिम बार देखे जाने का साक्ष्य है। अंतिम बार देख जाने और मृत्यु के संभावित समय के बीच की लंबी अवधि के कारण, मामले की परिस्थितियों में इसका वजन बहुत कम हो जाता है। अधिनियम की धारा 27 के तहत यह साक्ष्य अपने आप में अपीलकर्ता पर दोष तय करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

अपीलकर्ता (आरोपी) पर अन्य एक सह-आरोपी के साथ वर्ष 2000 में एक व्यक्ति के अपहरण और हत्या का आरोप लगाया गया था। विचारण न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302, धारा 364, धारा 392, धारा 394, धारा 201 और धारा 34 के तहत अपराध के लिए दोषी ठहराया और धारा 302 भारतीय दंड संहिता के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने अपीलकर्ता (आरोपी) द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया तथा विचारण न्यायालय की दोषसिद्धी और सजा को यथावत रखा। इसलिए अपीलकर्ता (आरोपी) ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अभियोजन का मामला पूरी तरह से परिस्थितिजन्य साक्ष्य और अंतिम बार देखे गए ''साक्ष्य'' और अपीलकर्ता द्वारा दी गई जानकारी से की गई खोजों पर आधारित है। अभियोजन का मामला दो परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य के मामले में, मकसद भी महत्वपूर्ण होता है। जहां तक मकसद का सवाल है तो अभियोजन का मामला यह है कि दोनों आरोपियों ने मृतक का ट्रैक्टर चोरी करने के लिए ही उसकी हत्या की थी। इस मामले में मृतक 6 फीट 2 इंच ऊंचाई का 42 वर्षीय सुगठित व्यक्ति था। अभियोजन पक्ष का कहना है कि दोनों अभियुक्तों ने ट्रैक्टर के लिए मृतक का अपहरण कर हत्या कर दी। अब इस ट्रैक्टर को अभियुक्तों ने वैसे भी छोड़ दिया था और इसे वापस लेने के लिए तब तक कुछ नहीं किया जब तक कि उनमें से एक को पकड़ नहीं लिया गया। इससे स्पष्ट है कि मकसद बहुत विष्वसनीय नहीं है। अदालत ने कहा कि जिन तथ्यों के कारण कुछ खुलासे हुए, वे सह-अभियुक्त द्वारा की गई पिछली खोज में पुलिस को पहले से ही ज्ञात थे। सह-अभियुक्त के संकेत पर की गई खोजों को वर्तमान अपीलकर्ता के खिलाफ नहीं पढ़ जा सकता है।

यदि अभियुक्त द्वारा पुलिस की हिरासत में रहते हुए खुलासा किया गया है और इस तरह से एक तथ्य का पता चलता है, तो उस खोज को अधिनियम की धारा 27 के संदर्भ में आरोपी के खिलाफ सबूत के रूप में पढ़ा जा सकता है। न्यायालय ने यह भी कहा कि मृत्यु के 90 घंटे के बाद शरीर में कठोरता आना असामान्य है, हालांकि कुछ परिस्थितियों में संभव है और इसे स्पष्ट करना अभियोजन पक्ष का कर्तव्य था। सर्वोच्च न्यायालय ने आगे कहा कि बचाव पक्ष इस पर सवाल उठाने में विफल रहा और विचारण न्यायालय भी चुप रही।

न्यायालय ने कहा कि अंतिम बार देखा गया साक्ष्य कमजोर आधार पर है। अंतिम बार देखे जाने और मृतक की मृत्यु के समय के बीच के लंबे अंतराल को देखते हुए, साक्ष्य अधिनियम 1872 की धारा 106 वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर लागू नहीं होता है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी पर अपराध का आरोप स्थापित करने के लिए, साक्ष्य की श्रृंखला को पूरा किया जाना चाहिए। श्रृंखला को एक और केवल एक निष्कर्ष की ओर इषारा करना चाहिए। यह केवल अभियुक्त है जिसने अपराध किया है और कोई नहीं। अभियोजन पक्ष इस बोझ का निर्वहन करने में सक्षम नहीं रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस मामले में अभियोजन पक्ष द्वारा पेष किए गए साक्ष्य परिस्थितिजन्य साक्ष्य के मामले में आवष्यक मानकों को पूरा नहीं करते हैं। इस विवेचना के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय ने अपीलकर्ता पर लगाए गए दोषसिद्धि और सजा को रद्द कर दिया और उसे तत्काल रिहा करने का निर्देश दिया। यह पहली बार नहीं है जब सर्वोच्च न्यायालय ने विचारण न्यायालय की जिम्मेदारी पर कोई टिप्पणी या कोई निर्देश दिए हों। इसके पहले भी न्यायप्रणाली को उनकी जिम्मेदारी के लिये उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्देश दिए हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने एक प्रकरण में कहा है कि निचली अदालतों की भूमिका पर जोर देते हुए आपराधिक अदालत प्रक्रिया के दुरूपयोग को रोकने के बारे में कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के समान ही मजिस्ट्रेट और ट्रायल जजों की भारत के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि, निजी शिकायत प्राप्त होने पर, मजिस्ट्रेट को सबसे पहले जांच करनी चाहिए कि क्या निजी षिकायत में लगाए गए आरोप, अन्य बातों के साथ, छोटी मुकदमेबाजी का उदाहरण तो नहीं। उसके बाद, षिकायतकर्ता के मामले का समर्थन करने वाले सबूतों की जांच करना और उसे इकट्ठा करना चाहिए। भारतीय संविधान और दण्ड प्रक्रिया संहिता के तहत ट्रायल जज का कर्तव्य है, प्रारंभिक अवस्था में तुच्छ मुकदमेबाजी की पहचान करना और उसका निपटारा करना, पर्याप्त रूप से विचारण न्यायालय इसके लिए शक्तियां और अधिकार प्राप्त है।

पीठ ने कहा कि इस तरह के मामलों में अन्याय को रोकने में ट्रायल कोर्ट और मजिस्ट्रेट की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे आपराधिक न्याय प्रणाली की अखंडता, और पीड़ित और व्याकुल वादियों की रक्षा की पहली पंक्ति है। हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि ट्रायल कोर्ट के पास ट्रायल के बाद आरोपी व्यक्ति को न केवल बरी या दोषी ठहराने का फैसला करने की शक्ति है। इसके साथ ही फिट मामलों में आरोपी को डिस्चार्ज करने की शक्ति है और ट्रायल के चरण तक पहुंचने से पहले ही तुच्छ मुकदमों को खत्म करने का भी कर्तव्य है। यह न केवल लोगों के धन की बचत होगी और इसके साथ ही न्यायिक समय को बचाएगा, बल्कि स्वतंत्रता के अधिकार की भी रक्षा करेगा जो कि प्रत्येक व्यक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत हकदार हैं। इस संदर्भ में, सर्वोच्च न्यायालय के समान ही मजिस्ट्रेट और ट्रायल जजों की भारत के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है। न्यायसंगत मुकदमेबाजी को और अधिक प्रभावी बनाना न्याय प्रणाली की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। खंडपीठ ने यह भी कहा कि भारत में न्याय विरण प्रणाली में बैकलॉग से ग्रस्त है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

जनसुनवाई के बाद दिलाई मदद

खरगोन।जनसुनवाई के दौरान दो ऐसे आवेदन प्राप्त हुए जिनमें आर्थिक तंगी से परिवार और उपचार में सहायता प्रदान करने का आग्रह किया गया। कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने दोनों प्रकरणों में तत्काल कार्यवाही करते हुए रेड्क्रोस से आर्थिक सहायता प्रदान की है। नागझिरी की पिंकी कुशवाह ने अपने पापा के निधन के बाद परिवार के पालन पोषण में तथा योगेश वाघे ने अपने पत्रकार पिता विष्णु वाघे के असमय हार्ट अटैक के उपचार के लिए सहायता मांगी। दोनों प्रकरणों में तत्काल 5-5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

जनसुनवाई में आए कुल 122 आवेदन

धार । अपर कलेक्टर केएल मीणा ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना और सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस जनसुनवाई में कुल 122 आवेदन आए। इस जनसुनवाई में बंदूक का लाइसेंस, अनुदान राशि दिलवाने, आर्थिक सहायता दिलवाने, मुआवजा राशि दिलवाने, सीमांकन कराने, शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटवाने, पट्टा दिलवाने, अवैध कब्जा हटवाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

खण्डवा । कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले में विभिन्न विभागों के कार्यो की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों में गति लायें तथा लंबित प्रकरण समय सीमा में पूर्ण करें। कलेक्टर श्री सिंह ने आधार से खाता जुड़वाने तथा केवायसी कराये जाने के साथ ही खसरा अपडेट करने, बटवारा नामांतरण तथा जाति प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन एवं विवाह प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा प्रसूति सहायता के संबंध में भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने लंबित प्रकरणों का निराकरण नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की तथा संबंधितों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। आगामी वर्षा ऋतु के मद्देनजर सभी जनपद पंचायत के सीईओ को निर्देश दिए कि अपनी पंचायतों के अंतर्गत आने वाले गांव में पुल पुलिया, रपटे, आदि पर संकेतक बोर्ड लगाए, जिससे दुर्घटना न हो। इसके अलावा कृषि अधिकारी से स्टॉक उर्वरक एवं बिजायी के संबंध में कहा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि किसी भी गांव में पानी की कमी न हो, सभी कुओं का गहरीकरण का कार्य बारिश आने के पूर्व किया जायें तथा उसकी पूर्णता की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री राजेश जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला, एसडीएम खण्डवा, पंधाना, हरसूद सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

कक्षा 10वीं तथा 12वीं की राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय मेरिट लिस्ट में आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया

खण्डवा । माध्यमिक शिक्षा मंडल परीक्षा 2022- 2023 की कक्षा 10 वी तथा 12 वी की राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय मेरिट लिस्ट में स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह ने सम्मानित किया। विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र, पुष्पहार, उपहार और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। कलेक्टर श्री सिंह ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी प्रेषित की। जिला शिक्षा अधिकारी श्री पी.एस. सोलंकी ने बताया कि खंडवा जिले से कक्षा 12वी की राज्य स्तरीय प्रवीण्य सूची में कॉमर्स संकाय में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त अनी राजेश जैन बैंस पब्लिक स्कूल खंडवा, राज्य प्रवीण्य सूची में दसवां स्थान प्राप्त दीपाली लखमे सिंह चौहान सरस्वती शिशु मंदिर कल्हनगंज खंडवा के साथ जिला स्तर पर हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रथम काजल चौहान, द्वितीय दीपाली दोनों रांजनी हायर सेकेण्डरी स्कूल, श्रुति गंगराड़े सेंट जोंस स्कूल तृतीय स्थान प्राप्त करने तथा हाई स्कूल स्तर पर जिले में प्रथम परी पटेल एम.जी.एम. स्कूल खालवा, द्वितीय विनीता यशवंत सी.एम. राइस स्कूल खारकला, द्वितीय रेहान पठान अभिनव पब्लिक स्कूल हरसूद, दिशा मनोहर वर्मा सरस्वती शिशु मंदिर कल्हनगंज खंडवा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर ए.डी.पी.सी. रमसा श्री संजीव मंडलोई, प्राचार्य वीरभद्र सिंह तोमर, जिला क्रीड़ा प्रभारी पी.डी. डोंगरे और इको क्लब नोडल श्री संदीप जोशी और संस्थाओं के शिक्षक और संचालक, पालकगण भी उपस्थित हुए।

गायनिक ओपीडी अभी पुरानी लेटी बटलर से ही संचालित होगा

खण्डवा । श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय खंडवा का लेडी बटलर मेडिकल कॉलेज के बी ब्लॉक में संचालित किया जा रहा है। परंतु गायनिक ओपीडी अभी पुराने लेडी बटलर से ही संचालित की जा रही है। सिविल सर्जन डॉ. ओ.पी. जुगतावत द्वारा बताया गया कि अभी गायनिक ओपीडी पुराने लेडी बटलर से संचालित होने के कारण ओपीडी एवं भर्ती पर्ची पुरानी लेडी बटलर काउंटर से ही बनाई जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि आप सभी प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक पुरानी लेडी बटलर काउंटर से ओपीडी एवं भर्ती पर्ची बनवाए, इसके पश्चात शाम 6 बजे से सुबह 8 बजे तक ओपीडी एवं भर्ती पर्ची नए भवन के ए ब्लॉक से बनवाए तथा रविवार एवं शासकीय अवकाश होने की स्थिति में भी ओपीडी पर्ची एवं भर्ती पर्ची नए भवन के ए ब्लॉक के काउंटर से ही बनवाएं।

अधिकारियों की उदासीनता के एवं लापरवाही के चलते यात्री हो रहे परेशान

राजनगर। परिषद के अधिकारियों की उदासीनता के एवं लापरवाही के चलते राजनगर बस स्टैंड बदहाली के दौर से गुजर रहा है। इन दिनों बस स्टैंड पर हाथ ठेला दुकानदारों का कब्जा है। पूरे बस स्टैंड परिसर में बेतरतीब ढंग से हाथ ठेला खड़े होने के कारण यहां बसों को खड़े होने के लिए स्थान नहीं मिल रहा। मजबूरन बस चालकों को रोड पर ही सवारियों को उतारना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि नगर के बस स्टैंड से छतरपुर, पन्ना, सतना, महोबा, चंदला, ललपुर आदि स्थानों के लिए लगभग डेढ़ दर्जन बसें संचालित होती हैं और करीब 5 सैकड़ा मुसाफिर प्रतिदिन यहां से बस पकड़ते हैं। नगर के बस स्टैंड पर तकरीबन डेढ़ दर्जन हाथ ठेला संचालकों ने कब्जा जमा लिया है जिनके कारण बस स्टैंड पर बसें नहीं जा पा रही हैं। आए दिन बस चालकों और हाथ ठेला संचालकों के बीच विवाद की स्थिति भी निर्मित होती है। हाल ही में नगर परिषद अध्यक्ष जीतू वर्मा ने बस संचालकों को निर्देश दिए थे कि सवारियों को सड़क पर न उतारा जाए लेकिन बस चालक मजबूरन निर्देशों का पालन नहीं कर पा रहे हैं।

10 मिनिट में सफेद चादर बिछी

नौ पता के चौथे दिन संजयनगर में 10 मिनट तक पानी के साथ करीब 50 ग्राम तक के ओले 10 मिनट तक गिरते रहे। ओलों से कुछ समय के लिए जमीन पूरी सफेद चादर में तब्दील हो गई थी । रविवार को नौतपा के चौथे दिन तेज धूप के बाद करीब 2 बजे मौसम ने अचानक करवट बदली और घने बादलों के साथ ठण्डी हवाएं चलने लगीं। लवकुशनगर से करीब 8 मिलोमीटर दूर संजयनगर एवं आस-पास के गांव बछैन क्षेत्र में कटहरा, सिल्पतपुरा में ओलावृष्टि की खबर सामने आयी है।

लाड़ली बहना योजना अतंर्गत सूची प्रत्येक ग्राम पंचायत मे चस्पा कर दी जाये : कलेक्टर

समय-सीमा बैठक मे दिए गये अहम दिशा-निर्देश

दमोह लाड़ली बहना योजना अतंर्गत सूची प्रत्येक ग्राम पंचायत मे चस्पा कर दी जाये। साथ ही दिये गये निर्देशों के तहत आपत्तियों का निराकरण कर लिया जाये। 08 जून को लाड़ली बहना योजना ग्राम सभा का आयोजन किया जायेगा। इस आशय के निर्देश कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने समय-सीमा के दौरान दिये। उन्होंने कहा लाड़ली बहना योजना अंतर्गत एक उत्सव की तरह मनाया जायेगा। दीप प्रज्जवलित किये जायेंगे। सभी सीएमओ, सीईओ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अजय श्रीवास्तव सहित अन्य जिलाधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर अग्रवाल ने सीएमओ और सीईओ से आयुष्मान कार्ड में प्रगति लाने निर्देशित किया। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को नामांतरण, बटवारा सहित अन्य प्रकरणों को जनसेवा अभियान में निराकरण कर उन्हें दर्ज किये जाये। साथ ही उन्होंने सीम हेल्पलाइन, सीएम मॉनिट सहित अन्य प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक उपरांत कलेक्टर ने मिशन लाईफ योजनातंर्गत पर्यावरण बचाव की शपथ दिलाई।

अवैध उत्खनन करते पाये जाने पर 1 जेसीबी एवं 3 ट्रेक्टर-ट्राली जब्त

दमोह थाना दमोह देहात पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई ग्राम इमलाई में अशोक पटैल के खते में बिना नंबर की जेसीबी से अवैध उत्खनन का कार्य चल रहा है जो उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक दमोह,अति. पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन, नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी दमोह दे निरीक्षक सत्येन्द्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में थाना दमोह देहात पुलिस द्वारा अशोक पटैल के खेत मलाई अवैध चचरा(मुरम)उत्खनन करते पाये जाने पर एक जेसीबी एवं तीन ट्रेक्टर-ट्राली कीमती करीबन 27 लाख रुपये के विधिवत जब्त किये गये । उक्त वाहनों के चालक आरोपियान 1. थम्मन पटैल पिता चिन्तू पटैल उम्र उम्र 36 साल निवासी चौरई 2. हल्केभाई पिता सरमन रजक उम्र 27 साल निवासी इमलाई 3. लोकेश पटैल पिता अशोक पटैल उम्र 30 साल नि इमलाई 4. प्रदुम्न पटैल पिता भागवत पटैल उम्र 24 साल निवासी इमलाई के विरुद्ध थाना दमोह देहात में अपराध क्र 347/2023 धारा 379,414 भा.द.वि. का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जब्तशुदा जेसीबी एवं ट्रक्टर ट्राली की राजसात की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन खनिज शाखा दमोह को भेजा गया । थाना प्रभारी दमोह देहात निरी सत्येन्द्र सिंह राजपूत, प्र. आर रामगोपाल, प्र. , आर. आसिफ, आर. अखलेश साहू, आर. चालक रविन्द्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

दिल्ली पुलिस की बर्बरता के खिलाफ राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

ओबैदुल्लागंज । दिल्ली के जंतर मंतर पर अंतरराष्ट्रीय पहलवान ओलंपिक पदक विजेता वह महिला पहलवानों के यौन शोषण के मामले में कर रहे प्रदर्शन पर दिल्ली पुलिस द्वारा की गई बर्बरता के विरोध में आज औबेदुल्लागंज में खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष हरपाल सिंह राजपूत एवं प्रदेश महासचिव पामेश यादव के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया जिसमें नगर के पहलवानों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी एकत्रित हुए और सभी ने अपने अपने विचार रखे सभी ने एक सूत्रीय मांग का ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को सौंपा जिसमें भाजपा सांसद एवं कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह गिरफ्तारी और उनकी संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की गई साथ ही बृजभूषण सिंह के पोस्टर जलाए गए इस अवसर पर सुरजीत सिंह बिल्ले ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राजू, रमेश गौर, हरजीत सिंह, डॉ सुनील गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष महिला कांग्रेस वंदना मालवीय, विजय सिंह यादव हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष राजेश खटीक श्री राम बजरंग अखाड़ा खलीफा राजकुमार पहलवान साधु गौर, संजय सिंह,

गगनदीप सिंह, प्रमोद सराठे, फरहान हसन, विजय यादव, संजय लोधी, सूरजमल गौर, अनुराग जैन, मन्नू बाबा, रजनीश जैन, राजेंद्र परमार, कपिल यादव, अमर पठारी, कमलेश लोधी, रामनाथ बिहारी, बारे लाल पोर्ते, भूपेंद्र राजपूत दिलीप जैन, मनोज खटीक, राजाराम, संतोष सेन, रामनाथ साहनी, बंगाली सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे

कांग्रेस के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सिवनी पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

सिवनी- विगत 27 मई को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय समन्वयक एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह बोहरा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमति बलविंदर मान, एवम कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिला प्रभारी दलबीर सिंह जस्सल के विशेष दौरा कार्यक्रम के स्वरूप सिवनी नगर आगमन हुआ, उनके आगमन पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने प्रथम नगर आगमन पर श्री बोहरा का स्वागत किया गया, जिला कांग्रेस अल्पसंख्य विभाग द्वारा भी महेन्द्र बोहरा, दलबीर सिंह जस्सल एवं श्रीमति बलविंदर सिंह मान का साल श्रीफल देकर सम्मान किया गया।

तत्पश्चात कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के समस्त ब्लॉक अध्यक्ष एवं जिला कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों का विशेष दिशा निर्देश कार्यक्रम रखा गया ।कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता राजिक अकील द्वारा किया गया ।अतिथि गणों का स्वागत जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी के जिला अध्यक्ष राजकुमार खुराना द्वारा किया गया तत्पश्चात जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष अनीश खान, जिला कांग्रेस के संगठन मंत्री पंकज शर्मा एवं जिलाध्यक्ष राजकुमार खुराना ने अपनी बात रखी।

अंत में अल्पसंख्यक विभाग के जिला प्रभारी दलबीर सिंह जस्सल एवं राष्ट्रीय समन्वयक महेंद्र सिंह बोरा ने अपना उद्बोधन दिया एवं अल्पसंख्यक विभाग के समस्त पदाधिकारियों से रूबरू हुए विशेष चर्चा की एवं दिशा निर्देश दिए।समस्त वक्ताओं के सारांश अनुसार अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी पदाधिकारी अपने अपने क्षेत्र में कांग्रेस के आप किस तरह मजबूत करें एवं पार्टी के द्वारा दिए गए दिशा निर्देश का पालन करें। । एवम कांग्रेस पार्टी को बूथ स्तर पर किस तरह मजबूत करना है। तत्पश्चात अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकर्ताओं को यह बताया गया कि मध्यप्रदेश में कमलनाथ जी की सरकार बनना लगभग तय माना जा रहा है। अवगत कराया गया की कमलनाथ की सरकार बनने के बाद अल्पसंख्यक को एवं अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों के लिए क्या योजनाएं हैं। अतः ज्यादा से ज्यादा योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु अल्पसंख्यकों को कांग्रेश अल्पसंख्यक विभाग से जोड़ने के निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष अनीस खान, सुरेन्द्र भाटिया, नगर अध्यक्ष एड. मिर्जा फैसल बैग, लाईक पटेल, राजा मुबीन, वसीम रायल, अर्श खान, मोहनीस खान, मोहसिन खान, मंसूर लल्लू, राजिक भाई धनौरा, साबिर खान देवरी, रहीम शाह, फरान खान सन्नू बाबा, मोहसीन रज, तारिख अख्तर, समीर खान, फारूख अंसारी, शेख साकिर, जिब्राईल अंसारी समदानी भाई केवलारी, निज्जु भाई धनौरा, जीमल मो. कुरैशी, जावेद अंसारी बखारी, अफसर अंसारी पांढरवानी, अनिल गनवाने, रफीक खान दारोट, नकीस खान चारगांव, हमीद खान गोरखपुर, सैफान खान कहानी, अ. अकील खान, रिजवान खान लखनादौन, साबिर अली लखनादौन, मो. शमी खान पांडिया छपारा आदि बैठक में उपस्थित रहें।

कबड्डी और फुटबॉल का प्रशिक्षण ले रहे बच्चे, सरपंच ने स्वल्पाहार वितरित कर बढ़ाया हौसला

कुरई/सिवनी- विकासखंड मुख्यालय कुरई में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है. जहां प्रतिदिन बालक - बालिकाओं को कबड्डी और फुटबॉल खेल के हुनर सिखाए जा रहे हैं. आज कुरई ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमति तरुणा परते बच्चों का हौसला बढ़ाने खेल मैदान पहुंची. जहां विकासखंड युवा समन्वयक निकेश पदमाकर सहित मौके पर उपस्थित खेल प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर सरपंच का स्वागत किया.

सरपंच द्वारा बच्चों को खिलाए जा रहे खेलों की जानकारी के साथ ही पानी, मैदान, सहित अन्य व्यवस्था का जायजा भी लिया. बच्चों को संबोधित करते हुए सरपंच महोदया ने कहा कि स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है और स्वस्थ रहने के लिए खेल जरूरी है. उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा यह खुशी की बात है कि छुट्टी के दिनों में बच्चे घर में रहकर मोबाइल और टीवी देखते उससे अच्छा बच्चों ने अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल को चुना है. सभी पालकों को अपने बच्चों को खेल से जोड़ना चाहिए और खेल प्रशिक्षण के लिए भेजना चाहिए।

पूर्ण मनोयोग से बच्चे ले रहे प्रशिक्षण- विकासखंड युवा समन्वयक निकेश पदमाकर ने बताया कि संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग से मिले निर्देशों के तहत ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में विकासखंड स्तर पर चयनित 2 खेलों में कबड्डी और फुटबॉल का प्रशिक्षण दिया जा इन रहा है जिसमें कबड्डी का प्रशिक्षण अग्रणी पब्लिक स्कूल मैदान में नरेंद्र पवार एवं फुटबॉल का प्रशिक्षण सियाराम उईके द्वारा प्रदान किया जा रहा हैं जिसमें बच्चे पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. इसी क्रम में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़ाने पहुंची खेलो में विशेष रुचि रखने वाली सरपंच महोदया द्वारा सभी खिलाड़ियों से परिचय उपरांत स्वल्पाहार स्वरूप बिस्किट पैकेट वितरित कर प्रोत्साहित किया गया. खिलाड़ियों को आशीर्वाद प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन करने पहुंची सरपंच महोदया का युवा समन्वयक निकेश पद्माकर, कबड्डी प्रशिक्षक नरेंद्र पवार एवं उपस्थित समस्त खिलाड़ियों ने धन्यवाद प्रेषित किया।

सेनेट्री पैड स्कैण्डल: चार सहयोगी गिरफ़्तार, चंद्रशेखर और अखिलेश पर 3-3 हजार का इनाम

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह के नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया एवं एसडीओपी अजय भार्गव के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। सेनेट्री पैड पैक करने के एवज में सीएसवी ब्राण्ड कंपनी ने महिलाओं को चैन सिस्टम से जोड़कर उनके साथ हजारों रुपयों की ठगी की और ठगी को अंजाम देकर फरार, कंपनी का मालिक चन्द्रशेखर वर्मा और उसकी मुख्य सहयोगी अखिलेश राजपूत के इस कृत्य में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

विदित हो कि कंपनी के मालिक चंद्रशेखर पुत्र पन्नालाल वर्मा निवासी किलौआ तहसील पनवाड़ी जिला महोबा उप्र और महिला अखिलेश पत्नी सुभाषचंद्र राजपूत के खिलाफ सिटी कोतवाली में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज है। केस दर्ज होने के बाद से दोनों फरार चल रहे हैं।चंद्रशेखर और अखिलेश पर 3-3 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया है।उक्त दोनों लोगों द्वारा शहर की हज़ारों महिलाओं से 30 हजार, 60 हजार से लेकर 1-1 लाख रुपए जमा कराए हैं। गिरफ्तारी के बाद पता चलेगा कि उक्त रकम आरोपियों ने कहां खपाई है।

विगत दिवस पुलिस को सूचना मिली कि इस अपराध में शामिल कुछ अन्य लोग दिल्ली की तरफ भागे है और गिरफ्तारी से बचने के लिये छिपते घूम रहे है इस पर से तत्समय पुलिस टीम रवाना होकर दिल्ली पहुँची जहाँ सघन पतारसी करने पर कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस टीम ने चन्द्रशेखर वर्मा के विश्वस्त सहयोगी गायत्री अहिरवार उम्र 32 साल निवासी मुकुंदपुर दिल्ली, महेश वर्मा उम्र 25 साल निवासी बक्करवाला जे.जे.कॉलोनी थाना देवरा नई दिल्ली, धर्मेन्द्र कुमार पुत्र पन्नालाल निवासी किल्लुहुआ थाना पनवाड़ी जिला महोवा और अमर परिहार उम्र 21 साल निवासी मुकुंदपुर नई दिल्ली को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उक्त सभी आरोपीगण चन्द्रशेखर वर्मा व अखिलेश राजपूत के साथ मिलकर इस फर्जीवाड़े को अंजाम देते थे।

30 मेधावी छात्रों का मंत्री यशोधरा राजे करेंगी सम्मान

शिवपुरी - हाल ही में घोषित एमपी बोर्ड और सीबीएसई के परीक्षा परिणाम में भी जिले के होनहारों ने प्रदेश और जिला स्तर पर मैरिट सूची में स्थान हासिल कर शिवपुरी को गौरवांवित किया है। हमेशा प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें प्रोत्साहित करने वाली शिवपुरी की विधायक और कैबिनेट मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया शिवपुरी के ऐसे 30 होनहार विद्यार्थियों को बुधवार की दोपहर 2 बजे कोतवाली रोड स्थित जिला उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान पुरूस्कृत कर सम्मानित करेंगी। जिला शिक्षा अधिकारी समर सिंह राठौड़ ने बताया कि जिले के होनहार छात्रों का यह सम्मान समारोह उन्हें भविष्य के लिए और अधिक प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है,साथ ही अन्य छात्र भी इन होनहारों से प्रेरणा लेंगे। इस सम्मान समारोह में एमपी बोर्ड के प्रदेश प्रावीण्य सूची में स्थान हासिल करने वाले हाई स्कूल के 6 व हायर सेकेण्डरी के दो विद्यार्थियों के अलावा जिला स्तरीय टाप श्री मैरिट में शामिल दसवीं और बारहवीं कक्षा के चार-चार छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। वहीं सीबीएसई पाठ्यक्रम में दसवीं और बारहवीं कक्षा में जिले में अव्वल रहे निजी व सरकारी स्कूलों के 14 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। टॉपर छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों व संस्था प्रधान को भी इस सम्मान समारोह में आमंत्रित किया गया है।

एक्स आर्मी के सूने घर पर लागभग 3 लाख की चोरी

औबेदुल्लागंज।। गौहरगंज भोई मोहल्ले में एक्स आर्मी मेन के घर बुधवार सुबह लाखों की चोरी की बात सामने आने से ग्राम में सनसनी फैल गई। गोवर्धन धुर्वे द्वारा बताया गया कि मंगलवार शाम लागभग 06 बजे घर के सदस्य घर बन्द कर घाना ग्राम में शादी समाहरोह के लिए गये थे। सुबह लागभग 07-15 बजे छोटे बेटे की बहु की परीक्षा देने के।लिए जा रहे थे, तभी घर के ताले व अलमारी में सब बिखरा हुआ दिखा। आनन फानन में अशोक धुर्वे गौहरगंज थाने में चोरी की सूचना दी। मौके पर गौहरगंज थाना प्रभारी उप निरीक्षक राजकुमार चौधरी अपने दल बल के साथ मौका मुआयना कर कार्यवाही में लग गये। सूत्रों की माने तो डॉग स्कॉट भी तफ्तीश के लिए मौके पर बुलाया जा रहा है। बता दें कि उक्त चोरी वाले घर के सामने खंबा लगा हुआ है, जिसपर पुलिस प्रशासन द्वारा कैमरे लगाये जाने की गुहार सालों से मौहल्ले वाले लगा रहे हैं परंन्तु मोहल्लेमे कोई प्राइवेट या शासकीय कैमरे नही लगे हैं। पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इतनी बड़ी राशि, सोने व चांदी की चोरी का यह पहला मामला ग्राम में सामने आया है।

कुबेरेश्वरधाम पर गंगा दशहरा पर भगवान के विशेष अभिषेक के साथ भोजन प्रसादी का वितरण

सीहोर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गंगा दशहरा का पावन पर्व मनाया गया। इस मौके पर भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में सुबह भगवान का अभिषेक किया गया। मंगलवार को गंगा दशहरा और गायत्री जयंती का पावन पर्व होने के कारण हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को सुबह से रात्रि तक भोजन प्रसादी के अलावा शीतल पेयजल आदि का वितरण किया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि मंगलवार को गुरुदेव पंडित श्री मिश्रा ने यहां पर हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सुबह विशेष पूजा अर्चना के पश्चात भगवान शिव का अभिषेक किया गया। इसके पश्चात यहां पर आने वाले हजारों श्रद्धालु ने भोजन प्रसादी की। कुबेरेश्वरधाम पर भागवत भूषण पंडित श्री मिश्रा के निर्देश पर पिछले 14 दिनों से निशुल्क रूप से रुद्राक्ष का वितरण किया जा रहा है। समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा और समीर शुक्ला सहित अन्य के द्वारा यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की गई है। सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक नियमित

रूप से वितरण किया जाता है। गंगा दशहरा पर भी देश के कोने-कोने से आए लोगों ने यहां पर दर्शन किए और रुदाक्ष ग्रहण किए। उन्होंने बताया कि ज्येष्ठ मास की दशमी तिथि को मनाया जाता है। पूरे देश में गंगा दशहरा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन उन शहरों में विशेष उत्सव मनाया जाता है जहां से होकर गंगा नदी बहती है। गंगा दशहरे को लेकर यह मान्यता है कि इस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। इसी उपलक्ष्य में गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस दिन दान पुण्य करने का विशेष महत्व शास्त्रों में माना गया है। माना जाता है कि इस दिन दान पुण्य करने और धार्मिक आयोजन करने से आपको धन की प्राप्ति होती है और मोक्ष का मार्ग खुलता है। वर्तमान समय में भौतिक जीवन जी रहे मनुष्य से जाने अनजाने जो पापकर्म हो जाते हैं उनकी मुक्ति के लिए मां गंगा की साधना करनी चाहिए कहने का तात्पर्य है जिस किसी ने भी पापकर्म किए हैं और जिसे अपने किए का पश्चाताप है और इससे मुक्ति पाना चाहता है तो उसे सच्चे मन से मां गंगा की पूजा अवश्य करनी चाहिए।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को दिए निर्देश

खण्डवा। कलेक्टर अनूप कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले में विभिन्न विभागों के कार्यो की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों में गति लायें तथा लंबित प्रकरण समय सीमा में पूर्ण करें। कलेक्टर श्री सिंह ने आधार से खाता जुड़वाने तथा केवायसी कराये जाने के साथ ही खसरा अपडेट करने, बटवारा नामांतरण तथा जाति प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन एवं विवाह प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा प्रसूति सहायता के संबंध में भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने लंबित प्रकरणों का निराकरण नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की तथा संबंधितों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कक्षा 10वीं तथा 12वीं की राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय मेरिट लिस्ट में आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया

खण्डवा। माध्यमिक शिक्षा मंडल परीक्षा 2022- 2023 की कक्षा 10 वी तथा 12 वी की राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय मेरिट लिस्ट में स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह ने सम्मानित किया। विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र, पुष्पहार, उपहार और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। कलेक्टर श्री सिंह ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी प्रेषित की। जिला शिक्षा अधिकारी श्री पी.एस. सोलंकी ने बताया कि खंडवा जिले से कक्षा 12वी की राज्य स्तरीय प्रवीण्य सूची में कॉमर्स संकाय में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त अनी राजेश जैन बैंस पब्लिक स्कूल खंडवा, राज्य प्रवीण्य सूची में दसवां स्थान प्राप्त दीपाली लखमे सिंह चौहान सरस्वती शिशु मंदिर कल्हनगंज खंडवा के साथ जिला स्तर पर हायर सेकेण्डरी स्तर पर प्रथम काजल चौहान, द्वितीय दीपाली दोनों रांजनी हायर सेकेण्डरी स्कूल, श्रुति गंगराड़े सेंट जोंस स्कूल तृतीय स्थान प्राप्त करने तथा हाई स्कूल स्तर पर जिले में प्रथम परी पटेल एम.जी.एम. स्कूल खालवा, द्वितीय विनीता यशवंत सी.एम. राइस स्कूल खारकला, द्वितीय रेहान पठान अभिनव पब्लिक स्कूल हरसूद, दिशा मनोहर वर्मा सरस्वती शिशु मंदिर कल्हनगंज खंडवा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर ए.डी.पी.सी. रमसा श्री संजीव मंडलोई, प्राचार्य वीरभद्र सिंह तोमर, जिला क्रीड़ा प्रभारी पी.डी. डोंगरे और इको क्लब नोडल श्री संदीप जोशी और संस्थाओं के शिक्षक और संचालक, पालकगण भी उपस्थित हुए।

गायनिक ओपीडी अभी पुरानी लेटी बटलर से ही संचालित होगा

खण्डवा। श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय खंडवा का लेडी बटलर मेडिकल कॉलेज के बी ब्लॉक में संचालित किया जा रहा है। परंतु गायनिक ओपीडी अभी पुराने लेडी बटलर से ही संचालित की जा रही है। सिविल सर्जन डॉ. ओ.पी. जुगतावत द्वारा बताया गया कि अभी गायनिक ओपीडी पुराने लेडी बटलर से संचालित होने के कारण ओपीडी एवं भर्ती पर्ची पुरानी लेडी बटलर काउंटर से ही बनाई जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि आप सभी प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक पुरानी लेडी बटलर काउंटर से ओपीडी एवं भर्ती पर्ची बनवाए, इसके पश्चात शाम 6 बजे से सुबह 8 बजे तक ओपीडी एवं भर्ती पर्ची नए भवन के ए ब्लॉक से बनवाए तथा रविवार एवं शासकीय अवकाश होने की स्थिति में भी ओपीडी पर्ची एवं भर्ती पर्ची नए भवन के ए ब्लॉक के काउंटर से ही बनवाएं।

केशव सीमेंट एंड इंफ्रा की वित्त वर्ष 23 की कुल आय 8 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई, एजेंसी। कर्नाटक राज्य में सीमेंट के निर्माण और सोलर पावर के जनरेशन और वितरण में लगी हुई, श्री केशव सीमेंट एंड इंफ्रा लिमिटेड (बीएसई -530977) ने वित्त वर्ष 23 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है । प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए श्री केशव सीमेंट एंड इंफ्रा लिमिटेड के चेयरमैन श्री वेंकटेश कटवा ने कहा, लागत पर दबाव का सामना करने के बावजूद कंपनी ने सफलतापूर्वक लगभग 30 प्रतिशत एबिटडा मार्जिन बनाए रखी है, जो सराहनीयहै ।यद्यपि शेष सीमेंट उद्योग की तरह हम कोयला और पेट कोक की बढ़ती कीमतों के बारे में भी चिंतित है । बहरहाल एक कैप्टिव सोलर पावर प्लांट की स्थापना सहित हमारी व्यूहात्मक पहलों ने हमें वर्तमान वर्ष के लिए लाभ रिपोर्ट करने में समर्थ बनाया है ।सीमेंट क्षेत्र में हमारे प्रयासों के अतिरिक्त हमने सोलर क्षेत्र में अवसरों कालाभउठायाहै। जिसके फलस्वरूप वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में डेफर्ड टैक्स में वृद्धि हुई है, जिसने हमारी बॉटम लाइन पर दबाव आया है । यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि यह समायोजन सिर्फ एक बार की घटना है ।

आपके फर्श के सिर्फ 1 वर्ग फुट हिस्से में हो सकते हैं बीमारी पैदा करने वाले लाखों कीटाणु

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का अग्रणी कीटाणुनाशक ब्रांड लाइज़ोल, और भारत की अग्रणी सरकारी रिसर्च एजेंसी, काउंसिल ऑफ़ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च इंस्टीट्यूशन इंस्टीट्यूट ऑफ़ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी ने संयुक्त रूप से भारतीय घरों में कीटाणुओं और रोगजनकों की उपस्थिति का विश्लेषण करने के लिए एक अध्ययन किया है। अध्ययन में भारतीय घरों के फर्श पर कई तरह के कीटाणु पाए गए। रिसर्च टीम ने भारतीय घरों में कीटाणुओं की उपस्थिति का अध्ययन किया है। इसमें पाया गया है कि अलग-अलग कमरों के फर्श बीमारी पैदा करने वाले कीटाणुओं जैसे एस्चेरिचिया कोलाई, मोरेक्सेला एसपीपी, ब्रेवुंडिमोनस एसपीपी, एसिनेटोबैक्टर एसपीपी के घर होते हैं। शोध से यह भी पता चला कि हमारे घरों की सतह पर 1000 से अधिक प्रकार के बैक्टीरिया और 200 प्रकार के वायरस मौजूद हैं।

अपने रोमांटिक पक्ष को टटोलना मेरे लिए बेहद खास अनुभव था: जय भानुशाली

मुंबई एजेंसी। प्यार की एक दिलकश दास्तान पेश करता सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो हम रहें ना रहें हम इस समय एक बड़े दिलचस्प मोड़ पर आ पहुंचा है, जहां शिवेंद्र (जय भानूशाली) और सुरीली (टीना दत्ता) के बीच प्यार का सफर शुरू हो चुका है।पिछले हफ्ते दर्शकों ने देखा कि शिवेंद्र अपनी मां दमयंती (किट्टू गिडवानी) की मर्ज़ी के खिलाफ जाकर उनके सामने यह कबूल करता है कि उसे सुरीली से प्यार है। इस हफ्ते शिवेंद्र एक और बड़ा कदम उठाएगा, जहां वो सबके सामने सुरीली के लिए अपने प्यार का इज़हार करेगा और उससे वादा करेगा कि चाहे ज़िंदगी में कितनी भी मुश्किलें क्यों ना हो, वो हमेशा उसका साथ निभाएगा।

क्रूड ऑयल की कीमतों में आया उछाल, जानिए आज क्या भाव मिल रहा पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रूड ऑयल की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी देखी जा रही है। कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर बढ़ी हैं। इस दौरान डब्लूटीआई क्रूड ऑयल 0.19 फीसदी बढ़कर 72.82 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड ऑयल 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ 77 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इस बीच तेल कंपनियों ने भी पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी कर दिए हैं। हालांकि आज यानी मंगलवार को भी पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। तेल कंपनियों ने 30 मई 2023 को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रखी हैं। इस तरह आज लगातार 374वां दिन है जब देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

दिल्ली में पेट्रोल-डीजल के दाम- आज मंगलवार को देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार को पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। इसके अलावा चेन्नई में पेट्रोल का भाव 102.63 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल का भाव 94.24 रुपए प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में मंगलवार को पेट्रोल 106.03 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है।

अन्य शहरों में कीमतें

नोएडा में मंगलवार को पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.18 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.05 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। इसके अलावा चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपए और डीजल 84.26 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं, लखनऊ में पेट्रोल का भाव 96.57 रुपए और डीजल की कीमत 89.76 रुपए प्रति लीटर है।

यहां SMS करके जान लें लेटेस्ट रेट

पेट्रोल-डीजल के भाव रोजाना बदलते हैं और सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज का रेट आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं । इंडियन ऑयल के कस्टमर आरएसपी स्पेस पेट्रोल पंप का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल के ग्राहक आरएसपी लिख कर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं, एचपीसीएल के ग्राहक एचपी प्राइज लिख कर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में हरियाली, बिटकॉइन और इथेरियम तीन-तीन प्रतिशत उछले

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में आज शानदार रौनक है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 क्रिप्टोकरेंसी सोमवार के कारोबारी सेशन के दौरान हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। आज सबसे अच्छी तेजी एथेरियम में दिख रही है। साप्ताहिक आधार पर भी क्रिप्टोकरेंसीज में मजबूती दिखी है और शीर्ष दस क्रिप्टोकरेंसी में सभी हरे निशान पर कारोबार करते दिखे हैं। सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वॉइन इस दौरान ढाई फीसदी से ज्यादा मजबूत हुआ है। एक बिटकॉइन फिलहाल 2.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 27,930.74 डॉलर (23.08 लाख रुपये) के भाव पर कारोबार करता दिखा।

वहीं दूसरा सबसे बड़ा क्रिप्टो एथेरियम भी 3 फीसदी ज्यादा मजबूत होकर 1900 डॉलर के पार पहुंच गया है। पूरे क्रिप्टो बाजार के वैश्विक मार्केट कैप में पिछले 24 घंटों के दौरान 2.32 फीसदी की तेजी आई है और यह 1.16 लाख करोड़ डॉलर (95.84 लाख करोड़ रुपये) पर पहुंच गया है।

मुकेश अंबानी के पास अमेरिका से दोगुना पैसा, अडानी के पास भी ज्यादा दौलत

नई दिल्ली, एजेंसी। किसने सोचा था कि सुपरपावर अमेरिका के पास मुकेश अंबानी और गौतम अडानी से भी कम कैश रह जाएगा। नकदी संकट से जूझ रहे अमेरिका की इस समय बुरी हालत है। अगर 5 जून तक कर्ज की सीमा नहीं बढ़ाई गई, तो अमेरिका दिवालिया हो जाएगा। अमेरिकी ट्रेजरी में कैश का लेवल खतरनाक तरीके से गिर रहा है। कर्ज की सीमा बढ़ाने में लग रहे समय के चलते ऐसा हो रहा है। 25 मई के आंकड़े के अनुसार अमेरिकी ट्रेजरी के पास केवल 38.8 अरब डॉलर ही नकदी के रूप में बचे थे। इस महीने की शुरुआत में यह 200 अरब डॉलर था और अब यह 30 अरब डॉलर के न्यूनतम स्तर के करीब है।

अंबानी-अडानी के पास भी ज्यादा पैसा- भारत के अरबपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की संपत्ति भी अमेरिका के नकद भंडार से अधिक है। यही नहीं, ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, दुनिया में 31 अरबपतियों के पास अमेरिका के नकद भंडार से ज्यादा दौलत है।

अंबानी के पास है दोगुना पैसा- ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, रिलायंस ग्रुप के मालिक मुकेश अंबानी दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में 13वें स्थान पर है। उनकी कुल संपत्ति 86.1 अरब डॉलर है। यह संपत्ति अमेरिका के नकद भंडार 38.8 अरब डॉलर के दोगुने से भी ज्यादा है। वहीं, ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स लिस्ट में गौतम अडानी 18वें स्थान पर हैं। उनकी कुल संपत्ति 62.9 अरब डॉलर है। यह भी अमेरिका के नकद भंडार से काफी अधिक है।

अंडरवॉटर एडवेंचर: जेम्स कैमरॉन ने अवतार: द वे ऑफ वॉटर के फिल्मांकन के बारे में बताया

मुंबई, एजेंसी। एकेडमी अवार्ड विजेता जेम्स कैमरॉन द्वारा अपनी अद्भुत फिल्म, अवतार में दर्शकों को एक ऐसी दुनिया, जो इससे पहले उन्होंने कभी नहीं देखी थी, का परिचय देने के 13साल बाद, डिज़्नी+ हॉटस्टार इसकी बहुप्रतीक्षित सीक्वल अवतार: द वे ऑफ वॉटर 7 जून को रिलीज़ कर रहा है। इंग्लिश, हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में उपलब्ध यह अद्भुत सिनेमेटिक साहसिक सफर एक नया अंडरवॉटर एडवेंचर पेश कर रहा है, जो एक बार फिर दर्शकों का मन मोह लेगा। अपने पुराने किरदारों में वापसी करते हुए सैम वॉर्थिंगटन और ज़ो सल्डाना जेक जुली और नेयतिरी के रूप में एक कर्तव्यनिष्ठ माता-पिता की भूमिका में दिखाई देंगे, जो अपने परिवार की रक्षा करने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। उनके साथ प्रतिष्ठित कलाकार, सिगूर्नी वीवर, स्टीफन लंग, क्लिफ कुर्टिस और एकेडमी अवार्ड विजेता केट विंसलेट भी दिखाई देंगी। इसकी पटकथा में जेम्स कैमरॉन, रिक जाफा, अमांडा सिल्वर, जोश फ्रीडमैन, और शेन सलेनों ने सहयोगपूर्वक कहानी का बेहतरीन चित्रण किया है, जबकि कैमरॉन और जॉन लैंडो इस फिल्म के निर्माता हैं।

हायर इंडिया ने किनौची 5-स्टार हैवी ड्यूटी प्रो एयर कंडीशनर्स के साथ स्थापित किया बेंचमार्क, 'बेस्ट इनोवेटिव प्रोडक्ट ऑफ द ईयर' से किया गया सम्मानित

मुंबई एजेंसी। प्रोडक्ट के सबसे आधुनिक फीचर्स में 10 सैकण्ड सुपरसोनिक कूलिंग और फ्रॉस्ट सेल्फ-क्लीन टेक्नोलॉजी शामिल है, जो इवापोरेटर को ऑटोमेटिक रूप से साफ कर देती है और बेहतरीन गुणवत्ता की हवा एवं शानदार कूलिंग का अनुभव प्रदान करती है

ट्रिपल इन्वर्टर प्लस टेक्नोलॉजी से लैस ये एयर कंडीशनर्स 65 फीसदी तक उर्जा की बचत भी करते हैं। नेशनल, 30 मई, 2023: होम अप्लायन्सेज़ के ग्लोबल लीडर और लगातार 14 सालों से प्रमुख अप्लायन्सेज़ के लिए दुनिया के नंबर 1 ब्राण्ड हायर अप्लायन्सेज़ इंडिया (हायर इंडिया) ने अपने 5-स्टार हैवी ड्यूटी प्रो एयर कंडीशनर्स हायर किनौची के शानदार परफोर्मेन्स एवं उपलब्धियों की घोषणा की है। 'बेस्ट इनोवेटिव ऑफ द ईयर' के रूप में सम्मानित ये एयर कंडीशनर्स कमरे को 20 गुना तेज़ी से ठण्डा करते हैं, और 60 डिग्री तक के चरम तापमान में भी बेहतरीन कूलिंग देते हैं।

इस उपलब्धि पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री सतीश एनएस, प्रेज़ीडेन्ट, हायर इंडिया ने कहा, ''हायर में हम आधुनिक अनुसंधान, नई तकनीकों और प्रभावी निर्माण क्षमताओं के साथ सेगमेन्ट में सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्ट्स लेकर आते हैं। पिछले दो दशकों में हमने भारतीय बाज़ार में अपने आप को मजबूती से स्थापित कर लिया है। हमें गर्व है कि हमारे किनौची 5-स्टार हैवी ड्यूटी प्रो एयर कंडीशनर्स को 'बेस्ट इनोवेटिव प्रोडक्ट ऑफ द ईयर' का खिताब मिला है। इस तरह की उपलब्धियां सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्ट्स लाने की हायर की

प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो देश के उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए तत्पर है। हमें खुशी है कि हम भारत में सकारात्मक बदलाव लेकर आए हैं और विश्वास है कि अपने उपभोक्ताओं के सहयोग से आने वाले समय में भी उनके लिए शानदार प्रोडक्ट्स लाते रहेंगे।''

'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर इंडिया' के दृष्टिकोण के साथ हायर आधुनिक, उर्जा प्रभावी, टिकाउ एवं सहज प्रोडक्ट्स के साथ भारत में अपनी प्रोडक्ट रेंज का विस्तार कर रहा है।

सैमसंग को पीछे छोड़ फायर-बोल्ट बना विश्व का नंबर 2 स्मार्टवॉच ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्मार्ट वियरेबल ब्रांड फायर-बोल्ट ने वैश्विक स्मार्टवॉच बाजार में दूसरा स्थान हासिल कर स्मार्टवॉच उद्योग में नई क्रांति ला दी है। 2023 की पहली तिमाही की काउंटरपॉइंट रिपोर्ट के अनुसार, फायर-बोल्ट अब 9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ वैश्विक स्मार्टवॉच बाजार में भारत की स्थिति का नेतृत्व कर रहा है। इसने सैमसंग और हुवावे जैसे उद्योग के दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। यह फायर-बोल्ट के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसने 2020 में सिर्फ 3 साल पहले स्मार्टवॉच श्रेणी में प्रवेश किया था। इस ब्रांड को हाल ही में आईडीसी द्वारा भारत का नंबर 1 स्मार्टवॉच प्लेयर घोषित किया गया था और काउंटरपॉइंट रिपोर्ट ने इस क्षेत्र में एक प्रमुख ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है।

फायर-बोल्ट) ने अक्टूबर 2020 में अपनी पहली स्मार्टवॉच लॉन्च करने के बाद से अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। ब्रांड की शुरुआत महज 0.3 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ हुई थी और एक साल के भीतर 11.6 प्रतिशत की चौंका देने वाली छलांग लगाई। वर्ष 2022 में, फायर-बोल्ट ने अपनी पहली स्मार्टवॉच लॉन्च के 15 महीनों के भीतर नंबर 1 स्मार्टवॉच ब्रांड बनकर उद्योग में तूफान ला दिया। ब्रांड ने साल 2022 की पहली तिमाही में 24.6 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी पर कब्जा कर लिया और उद्योग के स्थिर गति से बढ़ने के बावजूद 2000 प्रतिशत साल दर साल वृद्धि दर्ज की।

प्रशंसकों को एमएक्स प्लेयर के आश्रम सीजन 4 का बेसब्रीसे इंतजार है

मुंबई एजेंसी। आश्रम के प्रशंसक इसके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 2020 मेंअपनी धमाकेदार शुरुआत के बाद से, आश्रम ने अपनी रोमांचक कहानी केसाथ हमारा ध्यान खींचा है। जबकि एमएक्स प्लेयर पर आश्रम सीजन 4 केलिए अभी भी कोई घोषणा नहीं हुई है, इस बहुप्रतीक्षित वेब श्रृंखला केआसपास का उत्साह अटूट है।

रहस्यमय बाबा निराला से लेकर भोपा तक, आश्रम ने हमें अविस्मरणीयकिरदार दिए हैं। जैसा कि हम बेसब्री से अगले अध्याय की गिनती कर रहे हैं, आइए हम अपनेप्यारे पात्रों पर फिर से गौर करें जिन्होंने हमारे दिलों पर एक अमिट छापछोड़ी है। काशीपुर वाले बाबा निराला के रूप में बॉबी देओल - आश्रम में बाबा निरालाके रूप में बॉबी देओल का चित्रण एक करियर-परिभाषित प्रदर्शन था जिसनेदर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपनी कमांडिंग उपस्थिति के साथ, बॉबी नेबाबा के चरित्र में जान फूंक दी। उन्होंने एक लोहे की मुट्ठी के साथ सत्ता कासंचालन किया, समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों को आकर्षित किया, जो उन्हें अपने उद्धारकर्ता के रूप में देखते थे।

शिक्षा और उद्योग के बीच स्किल गैप को पाटने के लिए एनएसडीसी एकेडमी ने कैमूएडटेक के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत -राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), भारत में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसने कैमू एडटेक द्वारा संचालित उच्च शिक्षा के लिए एनएसडीसी एकेडमी स्किल्स को लॉन्च करने के लिए ऑक्टोज़ टेक्नोलॉजीज के प्रमुख ब्रांड कैमू के साथ एक स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप की घोषणा की है।

800 से अधिक स्किलिंग पार्टनर्स के अपने व्यापक नेटवर्क के साथ एनएसडीसी एकेडमी का उद्देश्य कैमू के सहयोग से पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करके उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के बीच स्किल गैप को पाटना है। यह साझेदारी हायर एजुकेशन इन्स्टीट्यूशन (एचईआई) को डिजिटल समाधानों का एक पूरा स्टैक प्रदान करेगी, जिसमें एक स्टूडेन्ट इन्फार्मेशन सिस्टम, लर्निंग मैनेजमेन्ट सिस्टम और कैमूएंगेज द्वारा संचालित एक स्टूडेन्ट सक्सेस प्लेटफार्म शामिल है। एनएसडीसी और कैमू के बीच यह साझेदारी एचईआई को क्षमताओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करेगी, जिसमें एंड-टू-एंड प्लेसमेंट तैयारी, उद्योग विशेषज्ञों द्वारा सलाह, विशेष स्किलिंग कार्यक्रम, जॉब प्लेसमेंट, छात्र उद्यमिता कार्यक्रम, के-12, आईएएस, आईपीएस, गेट, अंतर्राष्ट्रीय प्रवेश अन्य की परीक्षा की तैयारी,अनुसंधान दक्षताएँ, मान्यताएँ और एनआईआरएफ समाधान शामिल है।

आईआईटी जोधपुर ने वर्किंग प्रोफेशनल के लिए फिनटेक और साइबर सिक्योरिटी में ऑनलाइन एमबीए कोर्स शुरू किया है

जोधपुर, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप द्वारा पेशेवर लोगों के लिए फिनटेक और साइबर सुरक्षा (ऑनलाइन) में एमबीए कोर्स के लिए आवेदन आमंत्रित किये गए है। इस एमबीए कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य भारत और विश्व स्तर पर तेजी से बढ़ते फिनटेक उद्योग के लिए कुशल पेशेवरों की मांगों को पूरा करना है। यह कोर्स एक एप्लीकेशन-आधारित शिक्षण दृष्टिकोण को अपनाता है जिसमें केस स्टडी और वास्तविक दुनिया के उदाहरणों का उपयोग किया गया है। इस पाठ्यक्रम में प्रबंधन की बारीकियों के साथ फिनटेक और साइबर सुरक्षा में विशेष और उन्नत पाठ्यक्रमों का समावेश है । प्रत्येक सत्र में अनिवार्य रूप से एक ऑन-कैंपस गतिविधि शामिल है ताकि छात्र अपने सहपाठियों और प्रोफेसरों के साथ मिलकर कार्य कर सकें । इस कार्यक्रम में नामांकित छात्रों के पास डिग्री प्रोग्राम को पूरा करने के कई विकल्प हैं जिससे वो परिस्थितीनुसार शीघ्रयाधीमी गति से पाठ्यक्रम को पूरा कर सकें।

इस पाठ्यक्रम में आवेदन की अंतिम तिथि 12 जून 2023 है। अभ्यर्थी फिनटेक और साइबर सुरक्षा में एमबीए प्रोग्राम (ऑनलाइन) के लिए अंतिम तिथि पर आवेदन कर सकते है। इस कोर्स के लिए ऑनलाइन कक्षाएं 2 जुलाई 2023 से शुरू होंगी। पेशेवर लोगों के लिए फिनटेक और साइबर सुरक्षा में एमबीए प्रोग्राम के बारे में अधिक जानकारी नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

निम्न गुणवत्ता वाले कफ सिरप्स के कारण दुर्भाग्यपूर्ण मौतें

मुंबई एजेंसी। बीते माह के अंत तक, यह बात सुर्खियों में रही कि किस प्रकार डब्ल्यूएचओ ने पंजाब में तैयार किए जा रहे कफ-सिरप्स के लिए उत्पादन-चेतावनी जारी की। इस तथ्य की पुष्टि सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने की है। इन कफ-सिरप्स में जहरीले डाईइथिलीन ग्लाइकोल और इथिलीन ग्लाइकोल की अस्वीकार्य मात्रा पाई गई थी। इस घटना ने बीते वर्ष अक्टूबर में घटित ऐसी अन्य घटना की याद दिला दी, जब डब्ल्यूएचओ ने भारत में कई अन्य राज्यों से आने वाले कफ-सिरप्स के बारे में मेडिकल चेतावनी जारी की थी। ये कफ-सिरप्स वेस्ट-अफ्रीकी देश जाम्बिया में बच्चों की मौतों का कारण बने थे। भले ही ये प्रतिकूल घटनाएं सख्त कदम उठाने के प्रति सचेत करती हैं, लेकिन सरकार को आइसोप्रोपाइल अल्कोहल्स या आईपीए के प्रयोग के नियमों के लगातार उल्लंघन की ओर भी ध्यान देना चाहिए, जिनके बारे में सेक्शन-16 और दि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के दूसरे शेड्यूल में बताया गया है। आईपीए रंगहीन, ज्वलनशील और तेज गंध वाला विलायक द्रव (सॉल्वेंट) होता है। इसका व्यापक प्रयोग दवाइयां और दवाइयों के नुस्खे तैयार करने में किया जाता है।

पीएचई के एसई अरूण श्रीवास्तव निलम्बित

छिंदवाड़ा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी छिंदवाड़ा के प्रभारी कार्यपालन यंत्री अरूण श्रीवास्तव को राज्य शासन ने निलम्बित कर दिया है, उन पर आरोप है कि बालाघाट के लालबर्रा समूह जल प्रदाय योजना में बगैर टेण्डर के कार्य कराने का बड़ी राशि के भुगतान में अनियमिततायें बरतने पर निलम्बित किया है, उनके स्थान पर मुख्य अभियन्ता आर.एस.ठाकुर को छिंदवाड़ा का प्रभाार दिया गया है।

निगमायुक्त राहुल सिंह ने शहर के नालों की सफाई के दिये निर्देश

छिंदवाड़ा। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 एवं वर्षा ऋतु को देखते हुए निगमायुक्त राहुल सिंह द्वारा शहर के नालों की सफाई कार्य जाने के निर्देश निगम की स्वास्थ्य शाखा को दिए गए। निगमायुक्त राहुल सिंह द्वारा दिए गए नाला सफाई के निर्देश के पालन में निगम की स्वास्थ्य शाखा द्वारा शहर के 56 नालों में से 52 नालों की सफाई मशीन द्वारा एवं 50 से अधिक कर्मचारियों की गई। शेष 6 नालों की सफाई लगातार स्वास्थ्य अमले द्वारा की जा रही है। इस कार्य में निगम के कर्मचारियों के साथ ही बड़ी मशीनों को भी लगाया गया है।

हल्की बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (31 मई ङ्क04 जून 2023) मध्यम से हल्के बादल रहने एवं बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 38-41 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 21-24 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है। अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 50-56 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 31-34 प्रतिशत रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में हवा दक्षिण, उत्तर-पश्चिम एवं पश्चिम दिशा में बहने एवं 11-17 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

बेरोजगार प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का गठन

छिंदवाडा। बेरोजगारी प्रकोष्ठ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विक्रम साहू ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्ययक्ष कमलनाथ एवं नकूलनाथ के आदेशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, गंगाप्रसाद तिवारी एवम प्रकोष्ठ के जिला प्रभारी शाहिद खान की अनुसंशा पर जिला सहप्रभारी, आशीष साहू, जिला समन्वयक प्रणीत अलडक, जिला सहसमन्वक शेख मुंताझीर, जिला कार्यकारी मनीष रूंघे सौसर, आदित्य उपाध्याय जुन्नरदेव, इरसाद बेग परासिया, अंशुल जायसवाल, एस सी सेल जिला अध्यक्ष आकाश मंडराह, आईटी सेल जिलाध्यक्ष अजय वर्मा, आईटी सेल जिला समन्वयकदृ शान चंदेल, आईटी सेल उपाध्यक्ष अमन वारसी, जिला उपाध्यक्ष नवीन बाऊस्कार मोर्डोग्री, नीरज सूर्यवंशी, शुभम अहिरवार, गौरव परते, शुभम शर्मा, वेदांत दुवे, विशाल सोनेकर, अजय उईके, जिला महासचिव रमेश अग्रवाल एवं ;छिंदी ब्लॉक प्रभारी शुभम कोल्हे, मिंटू वस्त्राने, अजय मेहता, नमन जायसवाल, विधान सभा अध्यक्ष छिंदवाड़ा पिंचू पहाड़े, विधान सभा पांढुरना अध्यक्ष ऋषिकेश रामदे, विधान सभा परासिया अध्यक्ष अंशु राय, विधान सभा जुन्नारदेव अध्यक्ष आशीष बामने, विधान सभा सौसर अध्यक्ष अनमोल अकोटकर, विधान सभा चौरई अध्यक्ष बब्बी ठाकुर आदि पदाधिकारियों को विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया। पार्टी ने सभी पदाधिकारियों को बधाई प्रेषित कर संगठन के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की कामना की।

इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम अध्यक्ष पाल आज आयेंगे

छिन्दवाड़ा। म.प्र.इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) शैतान सिंह पाल 31 मई को प्रातः 10 बजे सागर से प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे छिंदवाड़ा आयेंगे और पॉप, स्वान व जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी गतिविधि केन्द्रों का निरीक्षण करने एवं स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के बाद दोपहर 2 बजे छिंदवाड़ा से सागर के रेहली के लिये प्रस्थान करेंगे।

आज सुबह 8 से 11 बजे तक बंद रहेगी बिजली

अमरवाड़ा। मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी अमरवाड़ा द्वारा सभी उपभोक्ताओं को सूचित किया गया है कि संचा संधा संभाग के अंतर्गत 132 केवी उपकेंद्र 132 केवी फीडर ग्रैटी फाउंडेशन निर्माण हेतु 31 केवी पीटी की शिफ्ट करने हेतु मेन बस पर शट डाउन की आवश्यकता को देखते हुए 31 मई को सुबह 8ः00 बजे से 11ः00 बजे तक शट डाउन लेना प्रस्तावित है जिसके अंतर्गत अमरवाड़ा प्रथम अमरवाड़ा द्वितीय सिंगोडी हर्राई सुरलखापा बटकाखापा एवं घोगरी वितरण केंद्र के 33 केवी फीडर की सप्लाई बाधित रहेगी।

सीटू ने मनाया स्थापना दिवस

परासिया। सीटू ने मनाया स्थापना दिवस देश में कई राज्यों में मजदूर आंदोलन जारी था, लेकिन उनको सही मार्गदर्शन की जरूरत थी तब देश में सेंट्रल ऑफ इंडियन ट्रेडयूनियन्स (सीटू) का तीस मई सन् उन्नीस सौ सत्तर को बंगाल के कलकत्ता मीनार मैदान में हुआ। जिसके त्रेपनवॉ स्थापना दिवस के अवसर पर कन्हान पेंच क्षेत्र के केंद्रीय कार्यालय गुढ़ी-अंबाडा शहीद भवन में लाल झंडा कोल माईस मजदूर यूनियन के प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने मिलकर स्तंभ पर झंडा फहराते हुए गगनभेदी नारेबाजी करते हुए स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर कन्हान पेंच क्षेत्र के अध्यक्ष अमरनाथ सिंह, वरिष्ठ सचिव मार्कंडेय मिश्रा, सचिव अशोक भारती, कार्यालय सचिव नितिन साहनी, शाखा पदाधिकारियों में सदनलाल रौतिया, दिनेश प्रसाद गौतम,मो0सरफराज़ सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निशुल्क ब्लॉक स्तरीय आयुष मेला आज

अमरवाड़ा। नगर के मातेश्वरी मंदिर में बुधवार को प्रातः 10ः00 बजे से शाम 4ः00 बजे तक निशुल्क ब्लॉक स्तरीय आयुष मेले का आयोजन किया जा रहा है जानकारी के अनुसार सजल नेमा ने बताया कि भारत सरकार आयुष मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय मिशन योजना अंतर्गत आयुष विभाग के द्वारा आयुर्वेद होम्योपैथी एवं यूनानी चिकित्सकों द्वारा निशुल्क परामर्श एवं निशुल्क वितरण का आयोजन मातेश्वरी मंदिर जगदेव में आज बुधवार को किया जा रहा है।

भाई ने अपने बेटों के साथ मिलकर भाई को मौत के घाट उतारा

खेत में ट्रेक्टर ले जाने से मना किया था

छिंदवाड़ा/परासिया। जमुनिया पठार में सगे भाई ने आपने दो बेटों के साथ मिलकर खेत में जान ले लिए और एक भाई को गंभीर कर दिए है घटना क्रम में मृतक की पत्नी ममता नागवंशी ने बताया कि मेरे पति 5भाई है मेरे पति चौथे नंबर. के है और मेरे पति से बडे भाई सरवन नागवंशी और उसके उनके बेटे ने आज हमारे खेत में टेक्टर ले गयें और खेत जोतने लगे जिसकि खबर मेरे पति और देवर को लगी तो मना करने खेत गये तो वहा पर मेरे जेठ सरवन नागवंशी और उनके लडके देवानन्द नागवंशी और रोहन नागवंशी ने मेरे पति जागेश्वर नागवंशी और देवर धारा सिंह नागवंशी के उपर जानलेवा हमला किया जिसमें घटना स्थल पर मेरे पति की मौत हो गई और देवर धारा सिंह नागवंशी को छिंदवाड़ा अस्पताल से नागवंशी अस्पताल ले गए हैंघटना कि जानकारी मिलते ही थाना शिवपुरी पुलिस प्रभारी संजू त्रिपाठी उप निरिक्षक मुकेश डोंगरे डु ह्यद्व जितेंद्र उइके डुह्यद्व प्रमोद दिक्षित आरक्षक ब्रज भालावी आरक्षक ललित भारद्वाज व स्टाप घटना स्थल पर पहुँच कर मामला कि जांच कर मृतक को पोस्टमार्टम के लिए पहुँचाया है और गंभीर हालत में धारा सिंह नागवंशी को नागपुर रिफर किया हैमृतक का एक बेटा है जो एक वर्ष का है और घायल धारा सिंह नागवंशी के दो बेटी है विवाद जमीन से शुरू हुआ और मौत में खत्म हुआ है मृतक कि पत्नी ने आरोपी जेठ और उसके बेटे के ऊपर मामला बनाने की मांग किया है

खुलेआम काटे गये कॉलोनाइजर द्वारा हरे हरे पेड़

मौके पर पहुंची राजस्व विभाग की टीम

परासिया। प्रकृति को हरा-भरा करने की मुहिम चला रही सरकार के सामने कॉलोनाइजर खुलेआम हरे भरे पेड़ों की बलि चढ़ा रहे हैं कुछ ऐसा ही मामला परासिया विकासखंड के ग्राम पंचायत खमराजेठू का है जहां पर ग्रीन सिटी के नाम से डवलप हो रही कॉलोनी के कॉलोनाइजर द्वारा आधा दर्जन से अधिक हरे भरे पेड़ों की बलि चढ़ाई जा रही है मामले की शिकायत पर मौके पर पहुंची राजस्व एवं वन विभाग की टीम कि उस समय आंखें खुली की खुली रह गई जब कॉलोनाइजर द्वारा राष्ट्र के प्रतीक राष्ट्रीय वृक्ष बरगद सहित आदिवासियों की परंपरा को सुचारू रूप से संचालित करने वाली महुआ प्रजाति के पेड़ को कॉलोनाइजर द्वारा काट दिया गया। मामले की जानकारी मिलते ही अनुविभागीय अधिकारी पुष्पेन्द्र निगम के आदेश पर मौके पर पहुंचे राजस्व अधिकारियो की टीम ने कालोनाइजर द्वारा काटे गए पेड़ों की नाप जोख करते हुए बताया कि भूमिस्वामी आशीष पिता सुभाषचंद्र सतीश पिता दादूराम एवम सुनील पिता परमानंद के शामिल खाते की भूमि जिसका खसरा संख्या 171/1 में लगे लगभग एक दर्जन कीमती प्रजाति के वृक्ष में से कालोनाइजर द्वारा दो राष्ट्रीय वृक्ष बरगद तथा एक महुआ पेड़ को काट कर उसकी लकड़ी का परिवहन करने की तैयारी की जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर पहुंची राजस्व और वन विभाग की टीम ने काटे गए पेड़ों को जप्त कर उनका सुपुर्दनामा स्थानीय सरपंच को सौप दिया गया है। वही भूमि स्वामी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध करते हुए मामला अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को प्रेषित कर दिया है।

नियम कानूनों को ताक में, हो रही प्लाटिंग

शासन द्वारा रेरा के तहत कॉलोनाइजर को कॉलोनी डेवलपमेंट की अनुमति प्रदान की गई है लेकिन बताया जा रहा है कि कालोनाइजर द्वारा कॉलोनी को अवैध रूप से बिना सुविधाओं के डेवलपमेंट के बिना लोगों को भ्रमित कर प्लाट बेचे जा रहे हैं। बताया तो यह भी जा रहा है कि कॉलोनी निर्माण के तहत बिजली पानी सड़क एवं अन्य सुविधाओं को पूर्ण करने के पश्चात प्लाटिंग किया जाना सुनिश्चित किया जाता है लेकिन ग्राम पंचायत हो रही कालोनी निर्माण में कथित अधिकारियो को सेट कर लोगों को प्लाट बेचे जा रहे हैं।

3 ट्रेने पांढुर्ना में रूकेगी

कांग्रेस के आन्दोलन का असर

पांढुर्ना। ब्लाक एवं नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा रेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार आन्दोलन किये जाने के कारण रेल्वे ने 3 ट्रेनों का स्टापेज पांढुर्ना स्टेशन में दिया है। जिसमें भगत की कोटि सुपर एक्सप्रेस, गाड़ी नं. 20843, 20844, रासी सागर सुपर एक्सप्रेस 12512, 12511 एवं छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस 18237-18238 रूकेगी। आन्दोलन 3 मार्च से नियमित चालू है। आन्दोलनकारियों ने ओव्हरब्रिज का निर्माण एवं दादाधाम एक्सप्रेस शुरू करने की मांग की है। आन्दोलनकारियों का आन्दोलन अभी जारी है।

नगरीय निकायों में बने संजीवनी क्लीनिक: कलेक्टर

छिंदवाड़ा। नगरीय निकायों द्वारा संजीवनी क्लिनिक तैयार कराई जानी है और उनका संचालन स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से किया जाना है। नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा के द्वारा जिला मुख्यालय में कुल 9 संजीवनी क्लिनिक तैयार कराई जानी है। इसके अलावा अन्य नगरीय निकायों में भी संजीवनी क्लिनिक तैयार कराई जायेंगी। कलेक्टर ने अभी तक कहां कितनी क्लिनिक तैयार कराई जा चुकी हैं, इसकी जानकारी प्राप्त की और सभी संजीवनी क्लिनिक तैयार कर उनका जल्दी से जल्दी संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए। बैठक में शहरी पट्टा सर्वेक्षण प्रगति और अनाधिकृत कॉलोनी अभियान की भी समीक्षा की गई। साथ ही कायाकल्प पथ निर्माण कार्यक्रम और बारिश के दौरान एवं बाद में सड़कों के रखरखाव के लिए नगरीय निकायों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में सीएमएचओ डॉ.चौरसिया ने बताया कि जिले में 15वें वित आयोग के अंतर्गत 16 नवीन मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का उन्नयन/निर्माण किया जाना है जिसमें नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा में 9, नगर परिषद परासिया व पांढुर्णा में 2-2, सौसर, जुन्नारदेव व दमुआ में एक-एक मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि छिंदवाड़ा नगरपालिक निगम के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-35 सर्रा व विवेकानंद स्कूल परिसर वार्ड क्रमांक-23 में मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का निमार्ण कार्य पूर्ण हो गया है तथा परतला पंचायत भवन वार्ड क्रमांक-एक व माता मंदिर खजरी रोड वार्ड क्रमांक-3 में कार्य पूर्णता की ओर है एवं अन्य 7 स्थानों में कार्य प्रारंभ हो गया है जिसे माह जुलाई तक पूर्ण कर लिया जायेगा।

गायत्री शक्तिपीठ द्वारा गायत्री प्रज्ञा मंदिर किया भूमि पूजन

समाजसेवी नरेंद्र मुन्ना तिवारी द्वारा गायत्री मंदिर के लिए दान में दी गई जमीन

अमरवाड़ा। धर्म नगरी में गायत्री शक्तिपीठ का भूमि पूजन किया गया प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरवाड़ा नगर के वार्ड क्रमांक 15 एकलव्य के पीछे गायत्री शक्तिपीठ का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ गायत्री परिवार के विद्वान जनों ने बताया कि मां गायत्री की कृपा एवं परम पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से गायत्री प्रज्ञा मंदिर का भूमि पूजन गायत्री जयंती एवं गंगा दशहरा के पावन पर्व पर किया जा रहा है जिसमें मंगलवार को प्रात: 7ः00 से 8ः00 तक अखंड जप देव अर्चन एवं यज्ञ का कार्यक्रम 8ः00 से 9ः00 और उसके बाद भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ वही नगर के वरिष्ठ नागरिक समाजसेवी नरेंद्र मुन्ना तिवारी संजय तिवारी के द्वारा गायत्री प्रज्ञा मंदिर के लिए भूमि दान में दी गई है इस मौके पर सभी गायत्री परिवार के पदाधिकारियों मैं उनका आभार माना है कार्यक्रम में पांच कुंडली यज्ञ भी संपन्न हुआ यज्ञ वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पंडित एस के शर्मा,, मुरारी साहू सीएल विश्वकर्मा मुकेश यादव द्वारा संपन्न कराया गया इस मौके पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से अमरवाड़ा विधानसभा उत्तम सिंह ठाकुर, टीका राम चंद्रवंशी, संतोष नेमा पं. भूपेन्द्र मिश्रा, कैलाश जैन सरजू प्रसाद वर्मा , सतीश संतु साहू , भैया लाल विश्वकर्मा, मथुरा प्रसाद वर्मा , प्रकाश गुरु, रामेश्वर पटेल , श्याम ठाकुर , रामकुमार पटेल , रज्जू चौरसिया, ,अंकुर जैन, तरुण शुक्ला सूरज ठाकुर के साथ गायत्री शक्तिपीठ के पदाधिकारी जिसमें कैलाश साहू ,एके सोनी ,संतोष नेमा , रामनारायन नेमा ,प्रकाश नेमा ,दिनेश नेमा ,मुकेश यादव, निर्मलेश साहू ,गोविंद साहू ,गना राम साहू ,पूनम डेहरिया, ईश्वर दास नागवंशी ,घनश्याम डेहरिया, छोटू वर्मा ,एनके सोनी ,अजय यादव , अनिल यादव,विजय नामदेव,आशुतोष सोनी , प्रखर सोनी, ताड़गे और गायत्री परिवार की महिला मंडल की सभी बहने नगर के अन्य वरिष्ठ जन कार्यक्रम में उपस्थित हुए

पूजा मरकाम ने दाखिल किया अपना नामांकन पत्र

परासिया। परासिया के वार्ड क्रमांक 6 में उप चुनाव की पार्षद पद की कांग्रेस पार्टी की उम्मीदवार पूजा मरकाम द्वारा भारी जनसमर्थन के साथ दिन सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया गया जिसमें पूजा मरकाम द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करते समय भारी मात्रा में वार्ड वासी उपस्थित रहे और वार्ड वासियों ने पूजा मरकाम को विजयश्री दिलाने के लिए अपना जोश भी दिखाया इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेंद्र विश्वकर्मा, नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विवेक मिश्रा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बसंत मालवीय नगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तुलसी ठाकुर एवं नगर कांग्रेस के प्रवक्ता सैफ खान, वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद बृजेश भलावी, अशोक शर्मा, शेरखान, पुनाराम डेहरिया, रहमान खान, सरवर खान, रमन ब्रंहे ,महिला कांग्रेस की ब्लॉक अध्यक्ष प्रतिभा सोनी नगर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष मंजू सोनी जी वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद नीलोफर खान , वार्ड क्रमांक 13 की पार्षद प्रतिमा वेश, वार्ड क्रमांक 17 के पार्षद पूनम कैथवास, वार्ड क्रमांक 20 पार्षद सावित्री वर्मा, अंजली श्रीवास्तव, फैमिन निशा कुरैशी , नूरजहां खान, दुर्गा धुर्वे, सोमवती, कला भाई, काजल सोनी शशि, दीपा, सहित भारी मात्रा में वार्ड वासी उपस्थित रहे और वार्ड वासियों ने पूजा मरकाम जी को पार्षद बनाने का संकल्प लिया।

संदीप चौहान भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी

छिंदवाड़ा। नगर निगम के चुनाव में वार्ड नं. 42 से भाजपा प्रत्याशी संदीप चौहान को बनाया गया है, आज उन्होने दल बल के साथ अपना नामांकन पत्र भरा, कांग्रेस के अपना प्रत्याशी राजेन्द्र स्वामी को बनाया है, संदीप चौहान भाजपा के मीडिया प्रभारी है।

45 करोड़ की लागत से बनेगी दो सड़कें

छिन्दवाड़ा। जिले के विधानसभा क्षेत्र सौंसर एवं पांढुर्ना के दूरस्थ अंचलों में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने एवं आमजन जीवन को मुख्य धारा से जोड़ने के लिये प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने जिले की दो महत्वपूर्ण सड़कों की स्वीकृति दिलाई है। कुल 39.02 किलोमीटर लम्बाई की इन दो सड़कों का 45 करोड़ 18 लाख रुपयों की लागत से निर्माण होगा।उक्त संदर्भ में सांसद कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंत्रालय द्वारा जारी पत्र क्रमांक एफ- 43/12/2023/19/यो/ 2534 दिनांक 25 मई 2023 को जारी पत्र के अनुसार गत माह अतिरिक्त मुख्य सचिव मप्र शासन वित्त विभाग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई वित्तीय व्यय समिति की 99 वीं बैठक में उक्त सड़कों के अनुमोदन के उपरांत निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। विदित हो कि स्वीकृत सड़कों के निर्माण के लिये क्षेत्रावासियों एवं ग्रामीणों ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से सड़क निर्माण की मांग की थी ।

आपूर्ति विभाग की जांच टीम ने एक लाख रुपये लागत के 32 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त किये

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में आपूर्ति विभाग की जांच टीम द्वारा गत दिवस जिले के विकासखंड मोहखेड़ के 3 ग्रामों में जांच की गई तथा संबंधितों के पास किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं पाये जाने पर लगभग एक लाख रूपये लागत के 32 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त किये गये। साथ ही ई.सी.एक्ट के अंतर्गत प्रकरण भी दर्ज किये गये। जिला आपूर्ति अधिकारी सुश्री अंजू मरावी ने बताया कि जांच टीम द्वारा जांच के दौरान ग्राम मुजावर में नंदकिशोर के घर से 5 घरेलू सिलेंडर, मोहखेड़ में नीलकंठ साहू के स्वर्णिम ट्रेडर्स से 19 घरेलू सिलेंडर और लिंगा के आनंद किराना से 3 घरेलू सिलेंडर व भाऊ किराना स्टोर से 5 घरेलू सिलेंडर जप्त किये गये । उन्होंने बताया कि जांच टीम में प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी सुश्री मरावी के साथ ही कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी रविन्द्र कुमरे, श्री रवि मुकासी और श्री सुमित चौधरी शामिल थे।

छिंदवाड़ा। नगर पालिक निगमायुक्त राहुल सिंह ने जन सुनवाई में लोगो की समस्या सुनी। जनसुनवाई मे अतिक्रमण हटाये जाने, इमलीखेड़ा प्रोजेक्ट संबंधी आवेदन प्राप्त हुए जिसका निराकरण जल्द किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ नागरिक महामंच की साप्ताहिक मीटिंग

छिंदवाड़ा। कलेक्ट्रेट परिसर जिला छिंदवाड़ा के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिक सुविधा केंद्र में वरिष्ठ नागरिक महामंच की साप्ताहिक मीटिंग संपन्न हुई द्य इस मीटिंग में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई , विशेष तौर पर पत्रिका विमोचन पर चर्चा की गई तथा आज अनिल जायसवाल एवं घनश्याम डेहरिया का जन्मोत्सव दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक महामंच के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहेद्य सुश्री कमला डेहरिया, टीएन मिश्रा, पूरनलाल साहू, जय शंकर शुक्ला, टी एम आर नायडू, अशोक मिश्रा ,प्रभु कृपा शंकर यादवजीडी लिंगायत,रणजीत सिंह परिहार, हनुमान प्रसाद पोद्दार, डॉ बीजी चिखले,सुरेश गोडसे ,वासुदेव चौहान, ऐसे कादरी,माणिकराव इंगले, एस आर सेंडे, प्रभाकर ठाकरे ,अनिल जायसवाल, पीआर डेहरिया,घनश्याम डेहरिया, एसके सूर्यवंशी, ओपी सनोदिया, एसजी कलसुले आदि की गरिमामय उपस्थिति रही ।

लड़की की शिक्षा के लिए मांगी आर्थिक सहायता

जनसुनवाई में सुनी गई 165 आवेदकों की समस्याएं

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर ओ.पी.सनोडिया ने जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 165 आवेदकों की समस्यायें सुनी । इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये। जनसुनवाई में मुख्य रूप से अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, सीमांकन व बंटवारा करने, नक्शा में सुधार करने, सड़क निर्माण करने, किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, भूमि का कब्जा दिलाने व आवासीय पट्टा प्रदाय करने, आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी । अपर कलेक्टर श्री सनोडिया को जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम पिपरिया राजगुरू की श्रीमती रोशनी वर्मा ने पुत्रियों की शिक्षा के लिये आर्थिक सहायता राशि दिलाने, ग्राम रोहनाकला के राधेश्याम डेहरिया ने कृषि भूमि का सीमांकन करने, ग्राम झिरलिंगा के लोकेश सिंह ठाकुर ने कुंए की कांक्रीट वॉल बनवाने, ग्राम चौरापठार की श्रीमती कलावती बाई ने भृत्य के पद पर नियुक्ति दिलाने, ग्राम खमारपानी के विठ्ठल बोबड़े ने सेवानिवृत्त कर्मचारी के लंबित देयकों का भुगतान कराने, ग्राम मानकादेही के ग्रामवासियों ने बिजली के पोल लगवाने, छिंदवाड़ा नगर के रत्नेश गोदरे ने अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, दयानंद चौरसिया ने फव्वारा चौक पर स्थित यातायात सिग्नल पुनः चालू कराने व श्रीमती देवकी बाई धुर्वे ने भूमि बंटवारा कर ऋण पुस्तिका बनाने, ग्राम धनौरा गुसाई के दिव्यांग दुर्गाप्रसाद सोलंकी ने प्रधानमंत्री आवास निर्माण व तबला यंत्र दिलाने, ग्राम उमरिया ईसरा के श्री दीपचंद धुर्वे ने किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, ग्राम मेहगौरा की श्रीमती सुनिता चन्द्रवंशी ने आंखों के ईलाज के लिये आर्थिक सहायता राशि दिलाने, ग्राम पाठा के श्यामराव पवार ने शासकीय भूमि से रास्ता दिलाने, ग्राम मेघासिवनी के संदीप उईके ने संबल योजना में अनुदान राशि दिलाने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये।

सारणी-पिपरिया-परासिया मार्ग पर बसों की बारीकी से की गई जाँच

छिन्दवाड़ा। परिवहन आयुक्त म.प्र. और कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग द्वारा अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री मनोज कुमार तेहनगुरिया के मार्गनिर्देशन में परिवहन जांच दल द्वारा आज सारणी-पिपरिया-परासिया मार्ग पर सभी बसों की बारीकी से जाँच की गईं जिसमें कुछ यात्री बसों में खामियां पाये जाने पर संबंधित बस संचालकों पर जुर्माना की कार्यवाही की गईं। इस मार्ग पर बस संचालकों द्वारा यात्रियों से बलपूर्वक अधिक किराया लेने और क्षमता से अधिक सवारी बसों में बैठाया जाना, वाहनों मे किराया सूची नहीं लगी पाये जाने की मिल रही शिकायतों को देखते हुए अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री तेहनगुरिया द्वारा परिवहन जाँच दल के साथ परासिया मार्ग पर सवारी बसों का फिटनेस संबंधी भौतिक निरीक्षण कर बारीकी से जाँच की गई जो कि आने वाले समय मे निरंतर जारी रहेगी और जिस वाहन में कुछ विशेष खामियां पाई जाती है तो उन वाहनों की यथा स्थान सवारी खाली करवाकर उस सवारी वाहन का तत्काल फिटनेस निरस्त किया जायेगा ।अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री तेहनगुरिया ने बताया कि छतरपुर मे हुई घटना को देखते हुए परिवहन मंत्री और परिवहन आयुक्त द्वारा मध्यप्रदेश के सभी जिलों में कार्यवाही करने के दिये गये आदेश के परिपालन में गत दिवस सभी बस संचालकों की आर.टी.ओ.कार्यालय छिंदवाड़ा में बैठक आयोजित कर बसों के फिटनेस संबंधी विभिन्न बिन्दुओं पर समझाईश देते हुये उन्हें अपने-अपने वाहनों मे तत्काल सुधार कार्य करने और दिये गये सभी निर्देशों का पालन करने के उपरांत ही बस संचालन करने के निर्देश दिये गये हैं, अन्यथा उन्हें परिवहन विभाग की कठोर कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। अन्य कार्यवाही मे ऑटो रिक्शा की भी जाँच की गईं ।

राजधानी में गौरव दिवस की धूम

प्रदेश में जून की शुरुआत आंधी-बारिश से होगी

चल सकती है 40 से 50किमी. प्रतिघंटे की स्पीड से हवा, बन रहा है नया सिस्टम

भोपाल। नौतपा खत्म होने को है। बुधवार को सातवां दिन है। मध्यप्रदेश में आंधी -पानी का दौर है और यह जून की शुरुआत में भी रहेगा। जून की शुरुआत आंधी-बारिश से होगी। 3 से 5 जून तक ग्वालियर और चंबल में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव रहेगा। ऐसे में यहां 40 से 50चद्व प्रतिघंटे की स्पीड से हवा चल सकती है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में भी पानी गिरने की संभावना है। ओले भी गिर सकते हैं।

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि 1 जून को उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसका असर 3 जून से प्रदेश में दिखने लगेगा। 3, 4 और 5 जून को उत्तरी मध्यप्रदेश यानी ग्वालियर-चंबल संभाग समेत अन्य स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर समेत अन्य शहरों में भी मौसम का असर देखने को मिलेगा।

उधर, पिछले 24 घंटे में ग्वालियर में 1 इंच से ज्यादा बारिश हुई है। भोपाल, रतलाम, गुना, सिवनी, शिवपुरी, सागर में भी पानी गिरा है। गुना पचमढ़ी से ठंडा रहा। गुना में मंगलवार रात का तापमान 19.5 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जबकि पचमढ़ी में यह 19.6 डिग्री रहा। टीकमगढ़ और सतना में सबसे ज्यादा रात का तापमान 26 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। प्रदेश के बाकी जिलों में यह 26 डिग्री से कम रहा।

48 घंटे के लिए ग्वालियर-चंबल संभाग में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे के लिए ग्वालियर-चंबल संभाग में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां तेज हवा और बारिश का दौर जारी रहेगा। हवा की स्पीड 50 चद्व प्रतिघंटा या इससे ज्यादा पहुंच सकती है। बाकी जिलों में भी इसका असर रहेगा।

दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के साथ तीन सिस्टम का प्रभाव अभी भी है। इस कारण हवा की रफ्तार भी तेज है। इस सिस्टम की वजह से बुधवार को भी कई इलाकों में बारिश हो सकती है। खासकर ग्वालियर-चंबल में अच्छी बारिश होने का अनुमान है। भोपाल में भी 31 मई और 1 से 5 जून के बीच बारिश होने के आसार हैं।

दो करोड़ रुपये खर्च करने के बाद अटल पथ से उखाड़े जा रहे पाम ट्री

भोपाल। माता मंदिर से जवाहर चौक तक बनाए गए अटल पथ (बुलेवर्ड स्ट्रीट) के सेंट्रल वर्ज और साइड में हरियाली के नाम पर दो करोड़ रुपए खर्च करके पाम ट्री और दूसरी विदेशी प्रजातियों के पेड़-पौधे लगाए गए थे। पर्यावरण विशेषज्ञों ने लगने से पहले ही कहा था कि ये पेड़- पौधे को भोपाल की जलवायु और पर्यावरण के अनुकूल नहीं हैं। इसके बावजूद पाम ट्री समेत अन्य सजावटी पेड़ों पर भारी भरकम बजट खर्च किया गया। अब इन्हें उखाड़कर अटल पथ के किनारे फेंका जा रहा है। बता दें कि 1.6 किमी लंबी बुलेवर्ड स्ट्रीट के सेंट्रल वर्ज पर 400 से ज्यादा पाम ट्री लगाए गए थे। इसके बाद बुलेवर्ड स्ट्रीट के दोनों साइड पेड़ों की दो-दो लेन और लगाई गई। जबकि स्मार्ट सिटी कंपनी को स्टेट इन्वायर्नमेंट इंपेक्ट असेसमेंट अथारिटी (सिया) ने इस शर्त के साथ डेवलपमेंट की अनुमति दी थी कि यहां देशी प्रजातियों के ही पौधे लगाए जाएंगे। इसमें वन विभाग की सलाह भी ली जाना थी। लेकिन पेड़ लगाते समय गाइडलाइन का पालन नहीं किया गया। अब इन पेड़ों को उखाड़कर फेंका जा रहा है।

राज्यसेवा-2020 परिणाम को लेकर संशय जारी, पहलुओं पर विचार जारी

इंदौर। राज्यसेवा परीक्षा 2020 का अंतिम चरण पूरा हो चुका है। राज्यसेवा 2020 के इंटरव्यू आयोजित हुए 10 दिन से अधिक समय बीत गया है। आम तौर इंटरव्यू समाप्त होने के सप्ताहभर में मप्र लोकसेवा आयोग (पीएससी) परिणाम घोषित कर देता है। हालांकि आयोग ने न तो अब तक अंतिम परिणाम और चयन सूची जारी की। ना ही एक-दो दिनों में परिणाम जारी होने के आसार दिख रहे हैं। कानूनी विवाद में उलझी प्रक्रिया पर आयोग फिलहाल विधिक राय लेने में जुटा हुआ है। मप्र में ओबीसी वर्ग के 27 प्रतिशत आरक्षण पर कानूनी लड़ाई लंबित है। इस बीच राज्यसेवा परीक्षा 2020 की प्रक्रिया पीएससी ने 87 प्रतिशत की मुख्य सूची और 13-13 प्रतिशत की दो प्रावधिक सूची बनवाकर आयोजित की है। ऐसे में पीएससी का मानना है कि अभी 87 प्रतिशत पदों के मुकाबले मुख्य सूची वालों का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया जाए। आरक्षण विवाद के अंतिम निर्णय के आधार पर 13 प्रतिशत वालों को चुना जाएगा। हालांकि इस फार्मूले पर विवाद खड़ा हो गया है। तमाम अभ्यर्थियों ने इस पर आपत्ति ली है। दरअसल 87 और 13 के फार्मूले में कई अभ्यर्थियों ने शिकायत की है कि कम अंक वाले मुख्य सूची में आ गए हैं। जबकि ज्यादा अंक वाले प्रावधिक सूची में रखे गए हैं। साथ ही 13 प्रतिशत पद के परिणाम रोके जाने से भी चयन सूची गड़बड़ा रही है।

1 जून भोपाल की आजादी दिवस

भोपाल का इतिहास प्राचीनतम है। महर्षि पतजंलि की जन्म स्थली है, तो महर्षि कणाद की तपोस्थली है। मौर्य सभ्यता के चिन्ह मिलते है तो गुप्तकाल के अवशेष भी यहां मिलते है परमार और गौड़ सम्यता के अंश तो कण कण में विखरे है।

भोपाल की प्राचीनतम सभ्यता और इतिहास है बीच कुछ समय दोस्त मोहम्मद खां से लेकर नबाव हमीदुल्ला तक जो शासन रहा वह बहुत जुल्म ज्यातियों से भरा रहा है।

यहां शुरू से ही नबाव के खिलाफत होती रही है उसके अनेक प्रमाण है। परन्तु 1926 से लेकर 1 जून 1949 तक जिस व्यक्ति ने नबाव के खिलाफ संघर्ष किया और यहां हिन्दुओं को संगठित किया वह शक्स भाई जी पंडित उद्धवदास जी मेहता उन्होने हिन्दुसभा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, प्रजामंडल आर्य समाज और अनेक संगठनों को साथ लेकर यहां नबाव के खिलाफ माहोल बनाने का काम किया। उनको अनेकोबार गिरफ्तार किया। अनेक घर पर अनेको बार छापे मारे। जब जब भाई जी और हिन्दु सभा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक के लोगो को बंदी बनाया तब-तब यह आंदोलन ठड़ा पड़ गया। भाई जी 1940 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भोपाल के प्रथम संघ चालक बने। भाई जी ने ''प्रजापुकार'' नामक भोपाल का पहला हिन्दी अखबार निकाला उनके लेखों पर अनेको बार जेल यात्रा की। नबाव ने सर्वदलीय मंत्रीमण्डल बनाया तो भाई जी ने हिन्दुसभा की तरफ से मास्टर भैरो प्रसाद का नाम दिया।

15 अगस्त 1947 को जब नबाव ने भारतीय संघ में विलीन होने से इन्कार किया तो भाई जी ने मा. भैरो प्रसाद को नबाव के मंत्रिमण्डल से इस्तीफा देने को कहा और विलिनीकरण आंदोलन का शंखनाद किया। भाई जी ने भोपाल रियासत का दौरा किया। हिन्दु सभा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ मिल कर विलिनीकरण आंदोलन को तेज किया। परन्तु जब महात्मागांधी की हत्या हुई तो संघ और हिन्दुसभा को लोगो का जेल में ठुस दिया गया। 1949 जनवरी में भाई जी अनशन पर बैंठे तो स्कूल, कॉलेज, दफ्तर, बाजार बंद रहे। 26 दिन चला आंदोलन, जो एक रिकार्ड है।

''डारेक्ट एक्शन'' की घोषणा मुस्लिम लीग ने की तो भाईजी हिन्दू महासभा की और से एक पत्र कांग्रेस के कार्यालय को सरदार पटेल को सम्बोधित करके लिखा। जिसमें आशंका व्यक्त की मुस्लिम लीग लूटमार और सामूहिक मारकाट कर सकती है। इसी बीच शुक्रवार को वह दिन आया जो दिन मुस्लिमलीग ने तय किया था। बड़ी संख्या लोग भोपाल से पलायन कर गये थे। शुक्रवार को दोपहर की नमाज के बाद मुस्लिम लीग के कार्यकर्ता निकले। उन्होने खाली घरों को लूटा। जो मिले उनसे कलमा पड़वाया, मंदिरों की मूर्ति तोड़ी। पुजारियों से मार पीट की यह घटना 12 अप्रैल 1946 की है।

भाई जी ने नबाव को ज्ञापन दिया जिसमें कहा गया कि यह दंगा नहीं था सुनियोजित एक हमला था। यही बात अंग्रेजों के पोलिटिकल ऐजेन्ट को भी बताई। इस समाचार को लक्ष्मीनारायण सिंघल के साप्ताहिक भोपाल समाचार ने प्रमुख्ता से छापा। हमलावरों के खिलाफ भाई ने सात दिन का अनशन किया। नबाव ने 8749 रूपये मुआवजा राशि जारी करी।

इस प्रकार अनेकों लोगो ने शहादत दी ओर सरदार पटेल की शक्ति से एक जून 1949 को नबाव ने घुटने टेक दिये और मर्जर एग्रीमेनट पर हस्ताक्षर करे और पाकिस्तान चला गया। भोपाल भारतीय संघ में विलीन हुआ। इस आजादी के आन्दोलन में जो लोग शहीद हुये उन्हे विनम्र श्रद्धाजंली।

यही 1 जून है - भोपाल की आजादी विलिनिकरण का दिन

भाई उद्धवदास मेहता स्मृति न्यास, भोपाल